राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण शुक्रवार 18 अक्टूबर 2024 वर्ष-7,अंक-266 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पीएम मोदी की मौजूदगी में सैनी की दूसरी बार ताजपोशी... पूरा एनडीए कुनबा मौजूद

-सैनी मंत्रिमंडल में जातियों का रखा गया विशेष ख्याल

पंचकुला (एजेंसी)। हरियाणा में नायब सैनी ने दूसरी बार सीएम पद की शपथ ले ली है। गुरुवार को सैनी के बाद अनिल विज ने मंत्री पद की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पीएम नरेंद्र मोदी शामिल हुए हैं। पीएम मोदी के अलावा भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्?डा, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, नितिन गडकरी और राजनाथ सिंह के साथ कई राज्यों के सीएम व डिप्टी सीएम भी पहुंचे थे।

गुरुवार को सीएम नायब सैनी के बाद सीनियर विधायक विज ने दूसरे नंबर पर शपथ ली। वे पंजाबी समुदाय से आते हैं। इसके बाद कृष्णलाल पंवार ने शपथ ली। वे अनुसूचित जाति से आते हैं। चौथे नंबर पर राव नरबीर ने शपथ ली। वह ओबीसी वर्ग से आते हैं। पांचवें नंबर पर महिपाल ढांडा ने शपथ ली। ढांडा जाट वर्ग का बड़ा चेहरा हैं। छठे नंबर पर विपुल गोयल ने शपथ ली, वे वैश्य बिरादरी से आते हैं। सातवें नंबर पर अरविंद शर्मा ने शपथ ली। वे ब्राह्मण समाज से आते हैं। इसतरह आठवें नंबर पर श्याम सिंह राणा ने शपथ ली। वे राजपूत समुदाय से आते हैं। नौवें नंबर पर रणबीर गंगवा ने शपथ ली। गंगवा ओबीसी वर्ग से आते हैं। दसवें नंबर पर कृष्ण कुमार बेदी ने शपथ ली। वह एसएसी समुदाय से संबंधित हैं। 11वें नंबर पर श्रुति चौधरी ने शपथ ली। वह पूर्व सीएम बंसीलाल की पोती हैं। 12वें नंबर पर आरती राव ने शपथ ली। वह केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत की बेटी हैं। 13वें नंबर पर राजेश नागर ने राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) की शपथ ली। वे ओबीसी समुदाय से हैं। सैनी की नई सरकार में कैबिनेट मंत्री बनाने के दौरान जातियों का विशेष खास ख्याल रखा है। ब्राह्मण, वैश्य, दलित और जाट सभी को जगह मिली है।

सैनी इसके पहले भी मार्च में मुख्यमंत्री बने थे। तब बीजेपी ने अचानक ही मनोहर लाल खट्टर की जगह उन्हें यह जम्मिेदारी सौंपी थी। इस बार भी बीजेपी ने सैनी के नेतृत्व में चुनाव लड़ा और उन्हें मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया था। बीजेपी ने 90 सदस्यीय विधानसभा में 48 सीटें जीतकर अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन किया है। तीन निर्दलीय विधायकों ने भी बीजेपी को समर्थन दिया है, जिससे उसकी कुल संख्या 51 हो गई है।

अगले माह रिटायर हो रहे सीजेआई चंद्रचूड़ की जगह लेंगे जस्टिस खन्ना

नई दिल्ली। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ 2 साल तक पद पर रहने के बाद 10 नवंबर 2024 को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। उन्होंने अपना कार्यकाल समाप्त होने से पहले अपने उत्तराधिकारी के नाम की सिफारिश कर दी है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति आमतौर पर वरिष्ठता के सिद्धांत के अनुसार ही की जाती है। सीजेआई सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के प्रमुख होते हैं, जो सुप्रीम कोर्ट और देश के विभिन्न हाईकोर्ट में जजों की नियुक्ति की सिफारिश करता है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना 11 नवंबर 2024 को 6 महीने के कार्यकाल के लिए मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदभार ग्रहण करेंगे। वह 13 मई 2025 तक अपने पद पर बने रहेंगे। इसके बाद वह रिटार हो जाएंगे। जनवरी 2019 में उन्हें दिल्ली हाईकोर्ट से सर्वोच्च न्यायालय में प्रमोट किया गया था। वे वर्तमान में कंपनी कानून, मध्यस्थता, सेवा कानून, समुद्री कानून, नागरिक कानून और वाणिज्यिक कानून सहित अन्य के लिए रोस्टर पर हैं।अपने साढ़े चार साल के कार्यकाल में न्यायमूर्ति संजीव खन्ना 358 पीठों का हिस्सा रहे हैं और 90 से अधिक निर्णय दिए हैं। 2023 में उन्होंने शिल्पा शैलेश में संविधान पीठ का फैसला सुनाया था। यूओआई बनाम यूसीसी में वे उस बेंच का हिस्सा थे जिसने भोपाल गैस त्रासदी पीड़ितों के लिए अतिरिक्त मुआवजे की मांग करने वाली याचिका पर फैसला सुनाया था।पिछले साल वह 3 जजों वाली पीठ का हिस्सा थे, जिसने एससी और एसटी के लिए प्रमोशन में आरक्षण पर सुनवाई की थी। 2019 में उन्होंने प्रसिद्ध आरटीआई जजमेंट में बहुमत से फैसला सुनाया था। 2022 में उन्होंने कहा कि मध्यस्थ एकतरफा अपनी फीस तय नहीं कर सकते।

जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा, याचिका पर सुनवाई को तैयार सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली । जम्मू-कश्मीर को दो महीने में पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट तैयार है। वकील गोपाल शंकर नारायण ने जहूर अहमद भट और खुर्शीद अहमद मलिक की ओर से इसकी याचिका लगाई है। इस पर सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने सुनवाई पर अपनी सहमति दे दी है। याचिका में कहा गया है कि अनुच्छेद 370 पर सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जम्मू-कश्मीर को जल्द ही पूर्ण राज्य का दर्जा देने का आश्वासन दियपा था। हालांकि, मामले में फैसला आने के 10 माह बाद भी केंद्र ने अब तक इस पर कोई कदम नहीं उठाया। अनुच्छेद 370 हटाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट का फैसला 11 अगस्त, 2023 को आया था। याचिका में कहा गया है कि यह संघवाद की मूल विशेषता का उल्लंघन है। यह जम्मू-कश्मीर के लोगों के अधिकारों को प्रभावित करता है। इसलिए कोर्ट केंद्र सरकार को जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के निर्देश दें।

बहराइच कांड में आरोपी सरफराज और मोहम्मद तालीम का एनकाउंटर

बहराइच (ईएमएस)। यूपी के बहराइच में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान हिंसा में राम गोपाल मिश्रा की हत्या के आरोपी सरफराज खान और मोहम्मद तालीम एनकाउंटर में बुरी तरह जख्मी हो गए। पुलिस ने बताया कि दोनों के पैर में गोली लगी है। पुलिस ने बताया कि आरोपी नेपाल भागने की फिराक में थे। पुलिस के मुताबिक एनकाउंटर नेपाल बॉर्डर से 20 किमी पहले नानपारा कोतवाली क्षेत्र में हांडा बसेहरी नहर के पास हुआ। एसटीएफ और बहराइच पुलिस सरफराज और तालीम को साथ लेकर डबल बैरल बंदूक और तमंचा बरामद कराने ले गई थी। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने बंदूक और तमंचा लोडेड रखा था। उन लोगों ने पुलिस पर फायर कर दिया। पुलिस ने पहले उन्हें सरेंडर करने के लिए कहा, लेकिन बाद में जवाबी कार्रवाई में सरफराज और तालीम को गोली लगी। यूपी पुलिस ने गुरुवार को सरफराज के भाई फहीम, पिता अब्दुल हमीद और मोहम्मद अफजल को भी पकड़ा है।

विस्तारा और इंडिगो की फ्लाइट्स में बम की धमकी... मुंबई में आपात लैंडिंग

मुंबई । बीते 4 दिनों से भारतीय विमानों में बम होने की धमकी मिल रही है। गुरुवार को विस्तारा और इंडिगो की फ्लाइट्स में बम होने की धमकी मिली धमकी के बाद विस्तारा की फ्रैंकफर्ट-मुंबई फ्लाइट मुंबई में आपात लैंडिंग कराई गई। यह धमकी सोशल मीडिया के दवारा दी गई। अधिकारियों ने बताया कि जब बम की धमकी की सूचना क्रू मेंबर्स को दी, विमान पाकिस्तान के एयर स्पेस में उड़ान भर रहा था। फ्लाइट में 147 यात्री सवार थे। लैंडिंग के बाद विमान को आइसोलेशन में ले जाया गया, जहां सभी यात्रियों को सुरक्षित रूप से उतार लिया गया। इसके बाद तुर्किये से मुंबई आ रहे एक फ्लाइट में धमकी दी गई। ये धमकी भी सोशल मीडिया पर दी गई। जांच में इन सभी फ्लाइट्स में बम की खबर झूठी निकली। हालांकि सभी एयरपोर्ट्स पर सिक्योरिटी बढ़ाई गई है। लगातार मिल रही धमकियों के बीच केंद्र ने फ्लाइट्स में एयर मार्शलों की संख्या को दोगुना करने का फैसला किया है। ये विमान में सादे कपड़े में तैनात रहने वाले है। इसके अलावा गृह मंत्रालय ने एविएशन मिनिस्ट्री से रिपोर्ट मांगी है। उडान मंत्रालय ने एयरलाइंस को धमकी भरे मैसेज भेजने के मामले में एविएशन मिनिस्ट्री ने संसदीय समिति को जवाब दिया।

दुनिया को युद्ध में नहीं, बल्कि बुद्ध में मिलेगा समाधानः मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि पूरे विश्व को महात्मा बुद्ध की शिक्षाएं ग्रहण कर शांति की राह पर चलना चाहिए, क्योंकि दुनिया को युद्ध में नहीं, बल्कि बुद्ध में समाधान मिल सकता है।

श्री मोदी ने दिल्ली के विज्ञान भवन में अंतरराष्ट्रीय अभिधम्म दिवस और पाली को शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता देने के लिए आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे समय में जब दुनिया अस्थिरता से ग्रस्त है, बुद्ध न केवल प्रासंगिक हैं, बल्कि एक जरूरत भी हैं।

उन्होंने कहा, 'मैं आज अभिधम्म पर्व पर पूरे विश्व का आवाहन करता हूं- बुद्ध से सीखिए...युद्ध को दूर करिए...शांति का पथ प्रशस्त करिए...क्योंकि, बुद्ध कहते हैं- 'नत्थि-संति-परम-सुखं' अर्थात्, शांति से बड़ा कोई सुख नहीं है।'

उन्होंने कहा, 'नही वेरेन वैरानि सम्मन्तीध कुदाचनम्, अवेरेन च सम्मन्ति एस धम्मो सनन्ततो' अर्थात वैर से वैर, दुश्मनी से दुश्मनी शांत नहीं होती। वैर अवैर से, मानवीय उदारता से खत्म होता है। बुद्ध कहते हैं- 'भवतु-सब्ब-मंगलम्'।। यानी, सबका मंगल हो, सबका कल्याण हो- यही बुद्ध का संदेश है, यही मानवता का पथ है।'

प्रधानमंत्री ने कहा कि हर देश अपनी विरासत को अपनी पहचान से जोड़ता है, लेकिन भारत इस मामले में बहुत पीछे रह गया है। उन्होंने कहा कि आजादी से पहले आक्रमणकारियों ने भारत की पहचान को मिटाने की कोशिश की। बाद में गुलाम मानसिकता से ग्रसित लोगों ने ऐसा किया। आजादी के बाद एक ऐसे समूह ने देश पर कब्जा कर लिया, जो इसे अपनी विरासत की विपरीत दिशा में ले गया।

उन्होंने कहा कि पाली को शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता देना भगवान बुद्ध की महान विरासत का सम्मान है। भाषा सभ्यता और संस्कृति की आत्मा है। पाली भाषा को जिंदा रखना, भगवान बुद्ध के शब्दों को जिंदा रखना हम सभी की जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा, 'अभिधम्म दिवस हमें याद दिलाता है कि करुणा और सद्भावना से ही हम दुनिया को और बेहतर बना सकते हैं। इससे पहले 2021 में कुशीनगर में ऐसा ही आयोजन हुआ था। वहां उस आयोजन में भी मुझे शामिल होने का सौभाग्य मिला था और ये मेरा सौभाग्य है कि भगवान बुद्ध के साथ जुड़ाव की जो यात्रा मेरे जन्म के साथ ही शुरू हुई है, वो अनवरत जारी है। मेरा जन्म गुजरात के उस वडनगर में हुआ, जो एक समय बौद्ध धर्म का महान केंद्र हुआ करता था। उन्हीं प्रेरणाओं को जीते-जीते मुझे बुद्ध के धम्म और शिक्षाओं के प्रसार के इतने सारे अनुभव मिल रहे हैं।'

श्री मोदी ने कहा, 'पिछले 10 वर्षों में भारत के ऐतिहासिक बौद्ध तीर्थ-स्थानों से लेकर दुनिया के अलग-अलग देशों तक नेपाल में भगवान बुद्ध की जन्मस्थली के दर्शन, मंगोलिया में उनकी प्रतिमा के अनावरण से लेकर श्रीलंका में वैशाख समारोह तक....मुझे कितने ही पवित्र आयोजनों में शामिल होने का अवसर मिला है। मैं मानता हूँ, संघ और साधकों का ये संग, ये भगवान बुद्ध की कृपा का ही परिणाम है। मैं आज अभिधम्म दिवस के इस अवसर पर भी आप सभी को और भगवान बुद्ध के सभी अनुयायियों को अनेक-अनेक शुभकामनाएँ देता हूँ। आज शरद पूर्णिमा का पवित्र पर्व भी है। आज ही, भारतीय चेतना के महान ऋषि वाल्मीकि जी की जन्म जयंती भी है। मैं समस्त देशवासियों को शरद पूर्णिमा और वाल्मीकि जयंती की भी बधाई देता हूं'।

असम में बड़ा रेल हादसा, अगरतला-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस के इंजन समेत 8 डिब्बे पटरी से उतरे

दिसपुर (एजेंसी)। एक और घटना में, अगरतला-लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस गुरुवार को असम के डिबालोंग स्टेशन पर पटरी से उतर गई। जानकारी के मुताबिक, घटना दोपहर करीब 3:55 बजे की है। रेलवे प्रवक्ता ने बताया कि घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अगरतला और मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनस के बीच चलने वाली ट्रेन डिबालोंग स्टेशन से गुजरते समय पटरी से उतर गई। पटरी से उतरने के कारण की फिलहाल जांच चल रही है और अधिकारी अन्य सेवाओं में व्यवधान को कम करने के लिए प्रभावित पटरियों को साफ करने पर काम कर रहे हैं।

प्रवक्ता के अनुसार, ट्रेन में सवार यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और उनकी आगे सहायता के लिए व्यवस्था की जा रही है। जानकारी या सहायता चाहने वालों के लिए, लुमडिंग में हेल्पलाइन नंबर भी स्थापित किए गए हैं: 03674 263120 और 03674 263126। इस बीच, रेल अधिकारी वैकल्पिक मार्गों और पुनर्निर्धारित सेवाओं पर अपडेट की जांच करने के लिए यात्रियों से भी संपर्क कर रहे हैं। असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने एक्स पोस्ट में लिखा कि ट्रेन 12520 अगरतला-एलटीटी एक्सप्रेस के 8 डिब्बे आज 15:55 बजे लुमडिंग के पास डिबालोंग स्टेशन पर पटरी से उतर गए। कोई बड़ी दुर्घटना या चोट नहीं आई है और सभी यात्री सुरक्षित हैं।

दुर्घटना राहत ट्रेन और दुर्घटना राहत मेडिकल ट्रेन बचाव और बहाली कार्यों की निगरानी के लिए मंडल के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ लुमडिंग से घटनास्थल के लिए पहले ही रवाना हो चुकी है। लुमडिंग-बदरपुर सिंगल लाइन सेक्शन पर ट्रेनों का परिचालन निलंबित कर दिया गया है।

राहुल ने वाल्मीकि मंदिर में पूजा की, वाल्मीकि समाज के प्रतिनिधियों से मुलाकात की

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को वाल्मीकि जयंती के अवसर पर यहां वाल्मीकि मंदिर में पूजा-अर्चना की तथा बाद में वाल्मीकि समाज के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। राहुल गांधी सुबह मंदिर मार्ग स्थित वाल्मीकि मंदिर पहुंचे। उन्होंने मंदिर परिसर में मौजूद बापू निवास में कुछ समय बिताया। महर्षि वाल्मीकि हिंदू महाकाव्य रामायण के रचयिता हैं। राहुल गांधी ने वाल्मीकि मंदर की अपनी कई तस्वीरें सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा कीं और लिखा, ''महाकाव्य रामायण के रचनाकार, आदिकवि महर्षि वाल्मीकि जी की जयंती पर आप सभी को शुभकामनाएं। आज सुबह इस सुअवसर पर दिल्ली में वाल्मीकि मंदिर में दर्शन किए। इस परिसर में महात्मा गांधी जी ने वाल्मीकि समाज के साथ काफी वक्त बिताया था, बापू निवास में कुछ समय रुककर प्रेरणा प्राप्त की।'' कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, ''मानवता को प्रेम और करुणा युक्त सत्य, न्याय और समरसता का मार्ग दिखाने वाले महान तपस्वी महर्षि वाल्मीकि जी को शत् शत् नमन।'' वाल्मीकि मंदिर में पूजा करने के बाद राहुल गांधी ने '10जनपथ' पर वाल्मीकि समाज के कई प्रतिनिधियों से मुलाकात की। '10जनपथ' कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी का आधिकारिक आवास है और राहुल गांधी भी वहां रहते हैं।

बहराइच हिंसा में यूपी एसटीएफ का बड़ा ऐक्शन

आरोपी सरफराज और तालिब को एनकाउंटर में किया गिरफ्तार

बहराइच (एजेंसी)। बहराइच हिंसा में राम गोपाल हत्याकांड मामले में यूपी एसटीएफ और यूपी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने हिंसा के मुख्य आरोपी सरफराज और तालिब को एनकाउंटर में गिरफ्तार कर लिया है। एनकाउंटर के दौरान दोनों आरोपियों के पैर में गोली मारी गई है। गोली लगने से घायल दोनों आरोपियों को पुलिस ने नानपारा सीएचसी में भर्ती कराया, यहां से उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों के अनुसार सरफराज की हालत गंभीर बताई जा रही है। बहराइच के महाराजगंज हिंसा मामले में रामगोपाल को गोली मारने वाले मुख्य आरोपी सरफराज व उसके बड़े भाई तालिब के साथ गुरुवार को एसटीएफ और पुलिस की मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ नानपारा कोतवाली क्षेत्र

कुर्मीनपुरवा हांडा बसरी लगभग दोपहर 2:00 के आसपास होना बताया जा रहा है। पुलिस को सूचना मिली थी कि दोनों आरोपी नेपाल भागने की फिराक में है।

एटीएसः चुनौती बन गई थी सरफराज की गिरफ्तारी

बहराइच के महाराजगंज क्षेत्र में 13 अक्टूबर को मूर्ति विसर्जन के दौरान कहासुनी के बाद छत पर चढ़े रामगोपाल को गोली मार दी गई थी। इस हत्याकांड में सरफराज उर्फ रिंकू, फहीम व हमीद को आरोपी बनाया गया था। घटना के बाद से ही सभी फरार हो गए थे। रामगोपाल के दम तोड़ने के बाद सभी भाग गए थे।

जहां बवाल हुआ, वह अब्दुल हमीद के घर की छत थी

राम गोपाल को गोली मारने का जो वीडियो सामने आया है, वह अब्दुल हमीद नामक शख्स की छत का है। इसी घर में राम गोपाल की हत्या हुई थी। रविवार को दुर्गा प्रतिमा विजर्सन के दौरान जो बवाल हुआ था, उसकी शुरुआत अब्दुल हमीद के घर से ही हुई थी। पहले डीजे को लेकर विवाद हुआ। फिर पथराव शुरू हो गया।

संशय हुआ दूर, अब 31 अक्टूबर को ही पूरे देश में मनाई जाएगी दीपावली

* काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट और विद्वत परिषद ने लिया फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस साल देशभर में 31 अक्टूबर को ही दीपावली मनाई जाएगी। काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट, काशी विद्वत परिषद और पंचांगकारों ने दीपावली की तिथि को लेकर संशय को दूर कर दिया है। 31 अक्टूबर को अपराह्न 3:52 बजे अमावस्या की शुरुआत होगी, जो एक नवंबर शाम 5:13 बजे तक रहेगी। इस दिन प्रदोष काल के दौरान रात में अमावस्या का योग बन रहा है, जो दीपोत्सव के लिए शुभ मुहूर्त है।

दीपावली हमेशा प्रदोष काल में ही मनाई जाती है और 31 अक्टूबर को 2.24 घंटे का प्रदोष काल है, जो शाम से रात तक रहेगा। एक नवंबर को कुछ हिस्सों में प्रदोष काल 10 मिनट से लेकर 60 मिनट तक रहेगा, जो शास्त्रों के मुताबिक पर्याप्त नहीं है। इसलिए, 31 अक्टूबर को ही दीपावली मनाई जाएगी।

पश्चिमी राज्यों में दो दिनों की अमावस्या का भ्रम ज्योतिष विभाग ने बताया कि राजस्थान, गुजरात और केरल के पंचांगों में दो दिनों की अमावस्या का उल्लेख था। इस वजह से है कि इन राज्यों में सूर्यास्त भारत के बाकी हिस्सों से थोड़ा देर से होता है। लेकिन 31 अक्टूबर को पूरे देश में अमावस्या प्रदोष काल में आएगी, जो दीपावली मनाने के लिए उपयुक्त समय और शुभ मुहूर्त है।

काशी विद्वत परिषद, बीएचयू के संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय और अन्य पंचांगकारों ने कहा कि प्रधानमंत्री पीएम मोदी को पत्र लिखकर आग्रह किया जाएगा कि पूरे देश में 31 अक्टूबर को ही दीपावली मनाई जाए। अब इस

संबंध में कोई भ्रम नहीं रह गया है और सभी पंचांगकारों ने इस तिथि को दीपावली के लिए अंतिम रूप से स्वीकार किया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

23 वाँ शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन 15-16 अक्टूबर 2024-इस्लामाबाद पाकिस्तान में भारत की हुंकार

बता दें विदेश मंत्री एस जयशंकर ऐसे पहले विदेश मंत्री हैं जो 9 साल में पहली बार पाकिस्तान दौरे पर गए हैं।इससे पहले 2015 में सुषमा स्वराज ने विदेश मंत्री के रूप में पाकिस्तान का दौरा किया था।पाकिस्तान में एससीओ समिट ऐसे समय में हो रहा है, जब भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव है। ऐसे में विदेश मंत्री का इस सम्मेलन में शिरकत के लिए जाना काफी अहम है। भारत के विदेश मंत्री इस्लामाबाद में एससीओ की बैठक में हिस्सा लेकर बुधवार देर शाम तक नई दिल्ली लौट आए।

(लेखक- किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया)

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ के हर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सबकी निगाहें अब भारत को ढूंढती है कि वहां से कौन आया है। एक ज़माना था जब भारत को संभवत: कोंनटा मिलता था, जो आज फ्रंट में तब्दील हो गया है! आज हम इस विषय पर बात इसलिए कर रहे हैं क्योंकि इस बार 23 वाँ शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) पाकिस्तान के इस्लामाबाद में 15-16 अक्टूबर 2024 को संपन्न हुआ, जिसमें सभी देशों की निगाहें भारत पर थी देखा गया के एससीओ से अलग भारतीय व पाकिस्तान के विदेश मंत्रियों में कुछ समय गुफ्तगू हुआ जो भारत पाकिस्तान दोनों के अधिकृत एजेंडे,बयानों में नहीं है परंतु मीडिया में इस तरह की खबरें जोर पकड़ रही है,यानें दोनों देशों के संबंध सुधारने की दिशा में शायद एक कदम उठ सकता है। चूँकि भारत नें पड़ोसी के घर में जाकर हुंकार भरी कि अच्छे पड़ोसी संबंधों व विश्वास में गिरावट की परिस्थितियों के करणों का विश्लेषण करना ज़रूरी है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,भारत का एससीओ की तीन बुराइयों आतंकवाद अलगाववाद व उग्रवाद का मुकाबला करनें का आगाज़ वाकई सराहनीय कदम है। साथियों बात अगर हम इस्लामाबाद पाकिस्तान की मेज़बानी में 15-16 अक्टूबर 2024 को आयोजित शंघाई सहयोग संगठन की करें तो, 23वां शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन हाल ही में समाप्त हुआ। यह शिखर सम्मेलन क्षेत्रीय सहयोग और विकास पर केंद्रित था, जिसमें सदस्य देशों ने सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और आतंकवाद जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। विदेश मंत्री एस. जयशंकर इस सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। शिखर सम्मेलन के समाप्त होने के बाद, वह इस्लामाबाद से नई दिल्ली आ गए। इस बैठक में भारत और पाकिस्तान के संबंधों पर विशेष ध्यान दिया गया, साथ ही अन्य सदस्य देशों के साथ भारत के व्यापार और कूटनीतिक रिश्तों को मजबूत करने पर भी जोर दिया गया। एससीओ शिखर सम्मेलन में अक्सर क्षेत्रीय स्थिरता, विकास, और सुरक्षा के मुद्दों पर बातचीत होती है, और इस साल के आयोजन ने इन विषयों पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित किया।बता दें कि पाकिस्तान पहुंचे विदेश मंत्री ने 16 अक्टूबर को एससीओ समिट को संबोधित करते हुए पाकिस्तान-चीन के सीपीईसी प्रोजेक्ट के कारण भारतीय संप्रभुता के उल्लंघन का मुद्दा उठाया। विदेश मंत्री ने कहा कि एससीओ के सदस्य देशों का सहयोग परस्पर सम्मान और संप्रभु समानता पर आधारित होना चाहिए। यह जरूरी है कि सभी देश क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता को मान्यता दें, इसके लिए वास्तविक साझेदारी का निर्माण होना चाहिए, न कि एकपक्षीय एजेंडे पर आगे बढ़ा जाना चाहिए।विदेश मंत्री ने सीपीईसी की तरफ इशारा करते हुए कहा कि अगर हम दुनियाँ की चुनिंदा प्रथाओं को ही आगे बढ़ाएंगे खासकर व्यापार और व्यापारिक मार्गों के लिए तो एससीओ की प्रगति नहीं हो पाएगी। बता दें कि सीपीईसी को लेकर भारत की चिंता है कि यह परियोजना पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से होकर गुजरती है, इस क्षेत्र को भारत अपना अभिन्न अंग मानता है। बता दें विदेश मंत्री एस जयशंकर ऐसे पहले विदेश मंत्री हैं जो 9 साल में पहली बार पाकिस्तान दौरे पर गए हैं।इससे पहले 2015 में सुषमा स्वराज ने विदेश मंत्री के रूप में पाकिस्तान का दौरा किया था।पाकिस्तान में एससीओ समिट ऐसे समय में हो रहा है, जब भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव है। ऐसे में विदेश मंत्री का इस सम्मेलन में शिरकत के लिए जाना काफी अहम है। भारत के विदेश मंत्री इस्लामाबाद में एससीओ की बैठक में हिस्सा लेकर बुधवार देर शाम तक नई दिल्ली लौट आए। जयशंकर तकरीबन 24 घंटे पाकिस्तान की राजधानी में रहे, इस दौरान उन्होंने दो बार पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ से हाथ मिलाया, पीएम शरीफ की तरफ से आयोजित रात्रि भोज में हिस्सा लिया और दोपहर के भोज में जयशंकर की शरीफ के साथ अनौपचारिक बातचीत भी हुई। हालांकि, इसे दोनों देशों के बीच संबंध में बड़े सुधार के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

साथियों बात अगर हम भारत के संबोधन में चीन पाकिस्तान पर दो टूक की करें तो,शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन में शिरकत करने पाकिस्तान दौरे पर गये विदेश मंत्री एस जयशंकर ने चीन और पाकिस्तान की पोल खोलकर रख दी है।एससीओ समिट को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री ने पाकिस्तान-चीन के सीपीईसी प्रोजेक्ट के कारण भारतीय संप्रभुता के उल्लंघन का मुद्दा उठाया है। विदेश मंत्री ने कहा कि एससीओ के सदस्य देशों का सहयोग परस्पर सम्मान और संप्रभु समानता पर आधारित होना चाहिए। यह जरूरी है कि एससीओ क़े सभी देश क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता को मान्यता दें। इसके लिए वास्तविक साझेदारी का निर्माण होना चाहिए, न कि एकपक्षीय एजेंडे पर आगे बढ़ा जाना चाहिए। विदेश मंत्री ने सीपीईसी की ओर इशारा करते हुए कहा कि यदि हम दुनियाँ की चुनिंदा प्रथाओं को ही आगे बढ़ाएंगे खासकर व्यापार और व्यापारिक मार्गों के लिए तो एससीओ की प्रगति नहीं हो पाएगी। बता दें कि सीपीईसी को लेकर भारत की चिंता है कि यह परियोजना पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से होकर गुजरती है, इसे क्षेत्र को भारत अपना अभिन्न हिस्सा मानता है।विदेश मंत्री ने एससीओ शिखर सम्मेलन में कहा कि एससीओ का प्राथमिक लक्ष्य आतंकवाद, अलगाववाद और अतिवाद का मुकाबला करना है। वर्तमान समय में ये और भी महत्वपूर्ण है। इसके लिए ईमानदार बातचीत, विश्वास, अच्छे पड़ोसी और एससीओ चार्टर के प्रति प्रतिबद्धता की आवश्यकता है। एससीओ को इन तीन बुराइयों का मुकाबला करने में दृढ़ और संकल्पित होने की आवश्यकता है।

साथियों बात अगर हम शंघाई सहयोग संगठन में 16 अक्टूबर 2024 को भारतीय विदेश मंत्री के संबोधन की करें तो, दिन में इस्लामाबाद में एससीओ समिट की बैठक को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा था कि आतंकवाद और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते। उन्होंने ने पाकिस्तान और चीन का नाम लिए बिना इशारों-इशारों में कहा कि सभी देशों को एक दूसरे की सीमाओं का सम्मान करने की जरूरत है।उन्होंने कहा कि अगर दोनों देशों के बीच दोस्ती में कमी आई है और पड़ोसी से संबंध बिगड़े हैं तो इस पर आत्मनिरीक्षण किया जाना चाहिए। अगर हमारे बीच भरोसे में कमी आई है तो हमें अंदर झांकने और विचार करने की जरूरत है सीपीईसी की ओर इशारा करते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि वैश्वीकरण और पुन:संतुलन आज की वास्तविकताएं हैं। एससीओ देशों को इसे आगे बढ़ाने की जरूरत है। सहयोग, आपसी सम्मान और संप्रभु समानता पर आधारित होना चाहिए।एससीओ समिट का शुरुआत करते हुए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा पाकिस्तान शांति, सुरक्षा और सामाजिक आर्थिक विकास चाहता है। अफगानिस्तान हमारे साथ जमीनी सीमा साझा करता है, इसलिए वहां शांति हमारे लिए जरूरी है। अफगानी जमीन का इस्तेमाल उसके पड़ोसियों के खिलाफ आतंकवाद के लिए नहीं होना चाहिए।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि 23वाँ शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन15-16 अक्टूबर 2024-इस्लामाबाद पाकिस्तान में भारत की हुंकार।भारत की पड़ोसी के घर जाकर हुंकार- अच्छे पड़ोसी संबंधों व विश्वास में गिरावट की परिस्थितियों के कारणों का विश्लेषण करना ज़रूरीभारत का एससीओ को तीन बुराइयों, आतंकवाद अलगाववाद व उग्रवाद का मुकाबला करने का आगाज़ सराहानींय कदम।

संपादकीय

पड़ोस में जयशंकर

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस्लामाबाद में आतंकवाद को निशाने पर लेकर जो स्पष्ट संदेश दिया है, वह सुखद और स्वागतयोग्य है। पाकिस्तान में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) परिषद के शासनाध्यक्षों की 23वीं बैठक में विदेश मंत्री ने विकास के लिए वास्तविक साझेदारी, शांति और स्थिरता के महत्व पर पुरजोर प्रकाश डाला है। इसमें कोई संदेह नहीं कि आतंकवाद का असर व्यापार, ऊर्जा संचार और संवाद-संपर्क पर पड़ता है। अगर हम यह देखें कि भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत क्यों बंद है, तो इसकी मूल वजह आतंकवाद ही है। भारत के प्रति पाकिस्तान का दुश्मनी भरा व्यवहार किसी से छिपा नहीं है। जब वह सुधरने को तैयार नहीं है, तब दोनों देशों के संबंधों में सुधार भला कैसे होगा? बड़ी बात यह भी है कि भारत की शिकायत पर कान देने वाले महत्वपूर्ण देशों की कमी है। विशेष रूप से शंघाई सहयोग संगठन में शामिल चीन की अगर भूमिका देखी जाए, तो दक्षिण एशिया में तानाशाही और आतंकवाद, दोनों के प्रति वह कतई गंभीर या ईमानदार नहीं है। शंघाई सहयोग संगठन में भी वह भारत की अनदेखी करते हुए केवल अपना फायदा देखना चाहता है। जब दुनिया के तमाम देश अपना हित देख रहे हैं, तब भारत को भी अपना हित देखना ही चाहिए। भारत विश्व स्तर पर अनेक बार यह बात दोहरा चुका है कि बंदूक और व्यवसाय, दोनों साथ नहीं चल सकते हैं। विभिन्न ध्रुवों में बंटी दुनिया में भारत की आवाज को पूरी तरह से सुना नहीं जा रहा है, तब संयुक्त राष्ट्र में सुधार की भारतीय कोशिशें स्वाभाविक हैं। इस्लामाबाद में भी विदेश मंत्री जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार के पक्ष में पैरोकारी की है। सुधार की यह बात वास्तव में चीन को भी संबोधित है। ध्यान रहे, लगभग नौ वर्षों में यह पहली बार है, जब भारत के विदेश मंत्री पाकिस्तान की यात्रा पर गए हैं, जहां वह पाकिस्तानी नेताओं के साथ औपचारिक अभिवादन तो साझा कर रहे हैं, पर अलग से उनकी मुलाकात मुफीद नहीं है। पाकिस्तान की ओर से यह कोशिश बार-बार हुई है कि भारतीय नेता के साथ अलग से बातचीत हो जाए, व्यापार पर न सही, मौसम पर हो जाए, पर भारत इसके लिए अभी तैयार नहीं है। अनेक बार धोखा खा चुका भारत चाहता है कि शंघाई सहयोग संगठन की 23वीं बैठक के दौरान केवल व्यापार और आर्थिक एजेंडे पर ध्यान केंद्रित रहे। ऐसे में, पाकिस्तान से अलग से बात करने का फिलहाल कोई तुक भारतीय विदेश मंत्रालय को नजर नहीं आता है। पाकिस्तान बात करने को लालायित तो है, पर उसके व्यवहार में बदलाव के संकेत नदारद हैं। खैर, शंघाई सहयोग संगठन एक स्थायी अंतरसरकारी अंतरराष्ट्रीय संगठन है, जिसकी स्थापना 15 जून, 2001 को कजाकिस्तान, चीन, किर्गिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान द्वारा शंघाई में की गई थी। समय के साथ इस संगठन का विस्तार हुआ, पर इस संगठन से आज के समय में पाकिस्तान को ज्यादा और भारत को कम फायदा है। चीन और पाकिस्तान मिलकर जो कॉरिडोर बना रहे हैं, जिसे सीपैक कहा जा रहा है, उसके बारे में भी भारत की चिंता जायज है। पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ अब बोल रहे हैं कि भारतीय प्रधानमंत्री को बैठक में आना चाहिए था, पर उन्हें यह सवाल अपने आप से पूछना चाहिए कि आतंकवाद संबंधी मनमोहन सिंह की चिंता या नरेंद्र मोदी की चिंता पर उन्होंने कितना और कैसे गौर किया है? भारत की चिंता दूर हो, तो ही भारत संवाद के लिए तैयार हो, यही न्यायोचित है।

न्याय की गांन्धारी की आँखों से पट्टी का हटना सुखद

(लेखक - राकेश अचल)

7 कहते हैं की जो होता है सो अच्छा ही होता है। भारत में न्यायपालिका का प्रतीक चिन्ह आँखों पर पट्टी बंधे हाथ में तलवार लिए एक स्त्री का चित्र था । इसे न्याय की देवी कहा और माना जाता है ,क्योंकि न्याय देने का काम शायद देवता नहीं कर पाते हैं। न्याय की देवी की आँखों पर पट्टी शायद इसलिए बंधी गयी होगी ताकि वो नीर-क्षीर विवेक से न्याय कर सके,हाथ में तलवार शायद इसीलिए दी गयी होगी ताकि वो निर्ममता से दंड दे सके,लेकिन अब उसकी आँखों से पट्टी भी हटा दी गयी है और हाथ से तलवार भी छीन ली गयी है । न्याय की देवी के हाथों में उस संविधान की प्रति पकड़ा दी गयी है जो हाल के आम चुनाव में कांग्रेस के नेता राहुल गाँधी और बाकी का विपक्ष लेकर घूम रहा था।

कहते हैं कि न्याय के प्रतीक को बदलने की सारी कवायद के पीछे देश के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ हैं। उनके निर्देशों पर न्याय की देवी में बदलाव कर दिया गया है। न्याय कि देवी कि नयी प्रतिमा सुप्रीम कोर्ट में जजों की लाइब्रेरी में लगाई गई है। पहले जो न्याय की देवी की मूर्ति होती थी. उसमें उनकी दोनों आंखों पर पट्टी बंधी होती थी. साथ ही एक हाथ में तराजू जबकि दूसरे में सजा देने की प्रतीक तलवार होती थी। ये बदलाव हालाँकि सांकेतिक ही है लेकिन है अच्छा। इस फैसले पर मौजूदा सरकार की सोच भी परिलक्षित होती है। आपको याद होगा कि हमारी मौजूदा सरकार को आजकल सब कुछ बदलने का भूत सवार है । शहरों,स्टेशनों के नाम ही नहीं बल्कि अंग्रेजों के जमाने के तमाम क़ानून भी बदले गए हैं। ऐसे में न्यायपालिका क्यों पीछे रहे ? इसीलिए अब भारतीय न्यायपालिका ने भी ब्रिटिश काल को पीछे छोड़ते हुए नया रंगरूप अपनाना शुरू कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट का ना केवल प्रतीक बदला है बल्कि सालों से न्याय की देवी की आंखों पर बंधी पट्टी भी हट गई है। जाहिर है कि सुप्रीम कोर्ट ने देश को संदेश दिया है कि अब कानून अंधा नहीं ह। क़ानून को अंधा होना भी नहीं चाहिए ।दुर्भाग्य से देश में आज भी तमाम क़ानून अंधे हैं।

मुझे लगता है कि सुप्रीम कोर्ट के मुख्य नयायधीश को ये विचार या प्रेरणा पिछले दिनों गणेशोत्स्व पर प्रधानमंत्री जी के साथ गणेश पूजन के बाद मिली। शुरुआत अच्छी है। हम सब इसका स्वागत करते है । इस समय जिस भी व्यवस्था की आँखों पर पट्टी बंधी हो उसे हटाने की जरूरत है। आँखों पर पट्टी का बंधा होना जहाँ नीर-क्षीर विवेक का प्रतीक माना जाता रहा है वहीं इसे जानबूझकर आअंखें बंद करने का प्रतीक भी माना जाता है। द्वापर में गांधारी ने अपनी आँखों पर पट्टी अपने पति प्रेम के चलते बाँधी थी ,लेकिन उसका क्या परिणाम हुआ ,पूरी दुनिया जानती है । दुनिया न भी जानती हो , लेकिन भारत का बच्चा -बच्चा जानता है। सुप्रीम कोर्ट के इस नवाचार का हम दिल खोलकर स्वागत करते हैं और चाहते हैं कि अब देश में न्यायप्रणाली की ऑखें न सिर्फ खुलीं हों बल्कि गंगाजल से धुली भी हो। अभी तक भारतीय न्यायपालिका में देश का भरोसा कायम है यद्दिप न्यायपालिका तमाम आधे-अधूरे फैसलों की वजह से संदिग्ध हुई है तथापि उसे अनेक फैसलों की वजह से पूरा सम्मान भी हासिल है।

दुर्भाग्य ये है कि इस समय देश में कार्यपालिका हो या विधायिका,सभी की आँखों पार पट्टी और हाथों में तलवार है । पक्षपात की तलवार ।अदावत की तलवार। हमारी सरकार के नियनत्रण में सब कुछ है । न्यायपालिका भी ,क्योंकि इस अंग की नियुक्ति,वेतन-भत्तों तक की व्यवस्था सरकार करती है। सरकार भी अपनी आँखों पर पट्टी बांधकर काम करती है । वो जिस मंजर को नहीं देखना चाहती उसे नहीं देखती । वो जहाँ तलवार चलाने की जरूरत होती है वहां तलवार को हाथ भी नहीं लगाती और जहाँ तलवार नहीं चलना होती वहां तलवार भी चलाती है और आँखों पर बंधी पट्टी भी हटा लेती है। इस बात के उदाहरण नहीं दूंगा,इसका विश्लेषण आपको भी करना चाहिए।

मुख्य न्यायाधीश माननीय चंद्रचूड़ का मानना है कि अंग्रेजी विरासत से अब आगे निकलना चाहिए। कानून कभी अंधा नहीं होता। वो सबको समान रूप से देखता है। इसलिए न्याय की देवी का स्वरूप बदला जाना चाहिए। साथ ही देवी के एक हाथ में तलवार नहीं, बल्कि संविधान होना चाहिए; जिससे समाज में ये संदेश जाए कि वो संविधान के अनुसार न्याय करती हैं। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ साहब का मानना है कि तलवार हिंसा का प्रतीक है। जबकि, अदालतें हिंसा नहीं, बल्कि संवैधानिक कानूनों के तहत इंसाफ करती हैं। दूसरे हाथ में तराजू सही है कि जो समान रूप से सबको न्याय देती है।

हमें उम्मीद करना चाहिए की जिस तरह से माननीय मुख्य नयायधीश ने अपनी सेवा निवृत्ति से कुछ दिन पहले न्यायपालिका के प्रतीक को बदला है उसी तरह वे जाते-जाते उन सभी संवैधानिक संस्थाओं की आँखों पर बंधी पट्टी और हाथों में ली गयी दृश्य और अदृश्य तलवारों को हटवाने का भी इंतजाम कर जायेंगे। ईडी हो,सीबीआई हो या केंद्रीय चुनाव आयोग हो सबकी आँखों पर पट्टी और हाथों में तलवार है ।आज का युग आँखों पर पट्टी बांधकर काम करने का है भी नही। आज के युग में तलवार हाथ में लेकर दुनिया को नहीं चलाया जाता । आज कीदुनिया के हाथों में तलवार की जगह विनाशकारी बम आ गए हैं, मिसाइलें आ गयीं हैं ,जो सामूहिक नरसंहार कर रहे हैं।

हमारे क़ानून के शिक्षक स्वर्गीय गोविंद अग्रवाल साहब हमें पढ़ते वक्त बताया करते थे कि -न्याय की देवी की वास्तव में यूनान की प्राचीन देवी हैं, जिन्हें न्याय का प्रतीक कहा जाता है. इनका नाम जस्टिया है. इनके नाम से जस्टिस शब्द बना था। इनके आंखों पर जो पट्टी बंधी रहती है, उसका मतलब है कि न्याय की देवी हमेशा निष्पक्ष होकर न्याय करेंगी। किसी को देखकर न्याय करना एक पक्ष में जा सकता है। इसलिए इन्होंने आंखों पर पट्टी बांधी थी। वैसे आपको भी पता है और मुझे भी पता है कि आँखों पर पट्टी बांधकर मोटर साइकल चलाना और चित्र बनाना जादूगरों का काम है,न्यायधीश ये नहीं कर सकते ।नेता जरूर कर सकते हैं,कर भी रहे हैं। ।बहरहाल मुख्य न्यायाधीश को इस तब्दीली के लिए तहेदिल से बधाई। कम से कम सेवनिवृर्ति से पहले वे भी एक नया इतिहास लिखकर जो जाने वाले हैं। अब पुरानी हिंदी फिल्मों में दिखाए जाने वाले अदालतों के इस प्रतीक चिन्ह का क्या होग। राम जाने ?

(चिंतन-मनन)

दया करने वालों की जय-जयकार होती है

हर व्यक्ति अधिक से अधिक धन कमाने के पीछे व्यवहारिकता एवं मानवीय मूल्यों को भूलता जा रहा है। रास्ते में अगर कोई मजबूर व्यक्ति दिख जाए तो कोई बेबसी प्रकट करने के लिए दो पल रूक जाए यही बड़ी बात होती है। बहुत से लोग ऐसे भी हैं जो किसी के लिए अपना एक पल और एक रूपये तक खर्च करने में कंजूसी करते हैं। शायद इसलिए कि उन्हें लगता है, भला पीड़ित व्यक्ति उनका क्या नाता है। लेकिन ऐसा सोचने से पहले यह शब्द जरूर याद करना चाहिए कि वसुधैव कुटुम्बकम् का मंत्र इस देश ने संसार को दिया है जिसका अर्थ है वसुधा यानी धरती पर रहने वाला हर व्यक्ति हमारा कुटुम्ब है। अगर विष्णु पुराण, श्रीमद्भागवत् पुराण अथवा अन्य कोई भी पुराण उठाकर देखेंगे तो पता चलेगा कि हम सभी मनुष्य मनु की संतान हैं। इस नाते हम सभी मनुष्य एक दूसरे के रिश्तेदार हैं। इस नाते हम सभी को अपने रिश्तेदारों की सहायता करनी चाहिए यही हमारा धर्म है। धर्म ग्रंथों में कहा भी गया है कि दया धर्म का मूल है। इसलिए हर व्यक्ति को बिना किसी लालच और स्वार्थ के जरूरत के समय आगे बढ़कर लोगों की मदद करनी चाहिए। जो ऐसा करते हैं उनका जयजयकार समाज ही नहीं ईश्वर भी करता है। दया करने वाला व्यक्ति कठिन समय आने पर भी अपना गुण नहीं त्यागता है। इसी का उदाहरण है मुगल बादशाह दारा। दारा को औरंगजेब ने बंदी बना लिया। बंदी बना दारा जब शहर के बीच से गुजर रहा था तो उसकी स्थिति देखकर लोग तरस खा रहे थे लेकिन कोई मदद के लिए आगे नहीं आ रहा था। एक फकीर ने दारा की स्थिति को देखकर कहा कि, दारा तू जब भी हाथी पर बैठकर इस रास्ते जाता था तो मेरी झोली भरता था। आज क्या फकीर की झोली खाली रहेगी। दारा ने नज़र उठाकर उस फकीर की ओर देखा और अपने शरीर पर पड़ा दुशाला उठाकर फकीर की ओर फेंक दिया। दारा की बेबसी पर जो लोग सिर झुकाए खड़े थे सभी दारा की उदारता और दयालुता को देखकर जयजयकार करने लगे। दारा का झुका हुआ सिर गर्व से ऊपर उठ गया और औरंगजेब के सैनिकों का सिर शर्म से झुक गया। भले ही आप कभी तीर्थ स्थल न जाएं लेकिन जरूरत के समय लोगों की सहायता कर दें तो कई तीर्थ यात्रा का फल आपको घर बैठे मिल जाता है। भगवान कभी यह नहीं कहते कि लोगों को दबाकर कुचलकर मेरे मंदिर में आओ। जो लोग ऐसा करते हैं उनके मंदिर में प्रवेश करने पर भगवान मंदिर छोड़कर चले जाते हैं। दयालु व्यक्ति के मन में ईश्वर बसता है। मंदिर में तो उसके अंदर का प्रतिबिंब नज़र आता है। दयालु व्यक्ति को तो घर में रखे शिव की तस्वीर में भी शिव की अनुभूति हो जाती है। जबकि धनार्जन में मस्त लोगों को तीर्थ स्थलों में भी ईश्वर की अनुभूति नहीं होती है।

विचार मंथन

हाथी के दांत की तरह दिखावे की होगी जम्मू कश्मीर की सरकार?

(लेखक- सनत जैन/ ईएमएस)

जम्मू कश्मीर में शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव संपन्न हुए हैं। इस बार मतदाताओं ने खुलकर मतदान किया है। जम्मू कश्मीर में उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में निर्वाचित ने शपथ ले ली है। सरकार और उपराज्यपाल के अधिकार को लेकर सरकार बनने के साथ ही नई-नई चर्चाएं शुरू हो गई है। जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा खत्म हो गया है। जम्मू-कश्मीर अब केंद्र शासित प्रदेश है। केंद्र सरकार ने उपराज्यपाल के जो अधिकार बनाए दिए हैं। उसमें केंद्र शासित प्रदेश के उपराज्यपालों के हाथ में जो अधिकार होते हैं। निर्वाचित सरकार के पास पूर्व राज्य के अधिकार नहीं होते हैं। केन्द्र शासित प्रदेशों की निर्वाचित सरकारों को हर बात के लिए उपराज्यपाल की अनुमति लेनी होती है। जिस तरह की स्थिति दिल्ली में बनी हुई है। उसी तरीके की वर्तमान स्थिति जम्मू-कश्मीर की नव निर्वाचित राज्य सरकार की होगी। केंद्र सरकार ने जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल को पांच विधायकों के मनोनयन का अधिकार दिया है। जिन राज्यों में गैर भाजपा शासित राज्य सरकार होती हैं। वहां के उपराज्यपाल निर्वाचित सरकार को वह काम नहीं करने देते हैं, जो वहां की सरकार चाहती है। जिन राज्यों में गैर भाजपाई सरकारें होती हैं। वहां के राज्यपाल निर्वाचित सरकारों के कामकाज में अडंगा लगाते है। विधानसभा से जो बिल पास होते हैं। उनकी स्वीकृति नहीं देते है। राज्य सरकारों के कामकाज पर राज्यपाल अड़ंगा लगाते है। जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को लेकर केंद्र और राज्य के बीच में विवाद की स्थिति बनी हुई है। 35ए की वजह से अन्य राज्यों के नागरिक जम्मू-कश्मीर मैं अचल संपत्ति नहीं खरीद सकते थे। धारा 370 को लेकर केंद्र एवं राज्य सरकार के बीच में जिस तरह से विवाद देखने को मिल रहे हैं। जब तक जम्मू कश्मीर विधानसभा को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं मिलेगा। तब तक यह विवाद जन्म लेते रहेंगे। पूर्ण राज्य का दर्जा देने के लिए केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में सहमति से है। जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा कब मिलेगा, यह कहना अभी मुश्किल है। जब तक जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं मिलेगा। तब तक जम्मू-कश्मीर में वास्तविक रूप से उपराज्यपाल का ही शासन होगा। निर्वाचित सरकार के मुख्यमंत्री ट्रांसफर पोस्टिंग भी नहीं कर पाएंगे। हर काम के लिए उन्हें उपराज्यपाल पर निर्भर रहना पड़ेगा। मुख्यमंत्री को किस तरह से उपराज्यपाल सहयोग करते हैं या उप राज्यपाल अपने हिसाब से काम करते हैं। उपराज्यपाल सरकार को भरोसे में लेकर काम करते हैं। इसका पता बाद में चलेगा। जम्मू-कश्मीर में सरकार किस तरह से सरकार चलेगी, या ठीक उसी तरीके से रोजाना विवाद होंगे, जैसे दिल्ली में हो रहे हैं। जम्मू-कश्मीर सीमावर्ती राज्य है। पाकिस्तान, चीन, बांग्लादेश की सीमाएं लगी हुई है। सीमावर्ती राज्य होने के कारण सुरक्षा बलों की भी पर्याप्त संख्या में तैनाती हैं। केन्द्रीय गृह मंत्रालय का भी हस्तक्षेप भी लगातार बना रहता है। ऐसी स्थिति में नई सरकार के भविष्य को लेकर तरह-तरह की आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं। राज्य में काफी लंबे समय के बाद निर्वाचित सरकार आई है।

उसके बाद आशा की जा सकती है, कि उपराज्यपाल और राज्य सरकार मिलजुल कर काम करेगी। सीमावर्ती राज्य होने के कारण केंद्र सरकार भी संवेदनशीलता के साथ राज्य सरकार को विश्वास में लेते हुए निर्णय करेगी। केंद्र सरकार और राज्य सरकार के रिश्ते बेहतर होंगे। उप राज्यपाल बॉस की तरह नहीं एक संवैधानिक प्रमुख के रूप में काम करके राज्य सरकार के साथ अपने रिश्तों को मजबूत बनाएंगे।

जिस तरह के विवाद रोजाना दिल्ली सरकार और वहाँ के उपराज्यपाल के बीच देखने को मिल रहे हैं। वह स्थिति जम्मू-कश्मीर में नहीं बनेगी। केन्द्र सरकार और राज्य सरकार वर्तमान स्थिति को देखते हुए समन्वय बनाकरकाम करेंगे। यह आशा की जा सकती है।

इंटेग्रम एनर्जी ने आईपीओ लाने के लिए दस्तावेज जमा किए

नई दिल्ली।

अक्षय ऊर्जा समाधान प्रदाता इंटेग्रम एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये धन जुटाने के लिए प्रारंभिक दस्तावेज जमा कर` दिए हैं। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष जमा किए दस्तावेजों के अनुसार आईपीओ 49.50 लाख के ताजा शेयर और निर्गम तथा प्रवर्तकों द्वारा 5.40 लाख शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। बयान में कहा गया कि कंपनी के शेयर बीएसई के एसएमई मंच पर सूचीबद्ध होंगे। नए निर्गम से हासिल राशि का इस्तेमाल अनुषंगी कंपनी इंटेग्रम ग्रीन एसेट्स में निवेश के लिए किया जाएगा, ताकि दो मेगावाट पीक (एमडब्ल्यूपी) सौर संयंत्र की स्थापना के लिए वित्तपोषण किया जा सके और कंपनी की कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके।

टाटा पावर ने आरईसी पावर डेवलपमेंट से विशेष इकाई प्राप्त की

नई दिल्ली ।

टाटा पावर ने आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड से एक विशेष इकाई (एसपीवी) ईआरईएस-एक्सएक्सएक्सआईएक्स पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड हासिल कर ली है। टाटा पावर ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, उसे ईआरईएस-एक्सएक्सएक्सआईएक्स पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड के अधिग्रहण के लिए आरईसी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड से आशय पत्र (एलओआई) मिला है। इसका वार्षिक पारेषण शुल्क 289.729 करोड़ रुपये है।कंपनी सूचना के अनुसार, परियोजना एसपीवी ईआरईएस-एक्सएक्सएक्सआईएक्स को निर्माण-स्वामित्व-संचालन-हस्तांतरण के आधार पर विकसित किया जाएगा। यह वाणिज्यिक संचालन की निर्धारित तारीख 31 दिसंबर 2027 से 35 वर्षों के लिए पारेषण सेवा प्रदान करेगा।

सेवेंटीन ने जीयूवीएनएल के साथ पहला हाइब्रिड बिजली खरीद समझौता किया

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एनर्जी लिमिटेड की शाखा जेएसडब्ल्यू रिन्यू एनर्जी सेवेंटीन लिमिटेड ने एसटीयू से जुड़ी 192 मेगावाट पवन-सौर हाइब्रिड क्षमता के लिए गुजरात ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (जीयूवीएनएल) के साथ बिजली खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने बीएसई को दी सूचना में बताया कि यह समझौता पवन-सौर हाइब्रिड क्षमता के लिए कंपनी का पहला बिजली खरीद समझौता (पीपीए) है। बयान के अनुसार, पीपीए पर 3.27 रुपये प्रति किलोवाट घंटा की दर से 25 वर्ष की अवधि के लिए बिजली आपूर्ति के लिए हस्ताक्षर किए गए हैं।इस परियोजना के 24 महीने के भीतर शुरू होने की उम्मीद है। इसे गुजरात में एसटीयू (राज्य ट्रांसमिशन यूटिलिटीज) से जोड़ा जाएगा।

मुआवजा उपकर को 28 फीसदी जीएसटी स्लैब में मिलाने का प्रस्ताव

नई दिल्ली । राज्य सरकारों ने केंद्र को बताया है कि वे मार्च 2026 के बाद मुआवजा उपकर की मौजूदा व्यवस्था समाप्त होने पर उसे 28 फीसदी के उच्चतम वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) स्लैब में मिला देने के पक्ष में हैं। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी की अध्यक्षता में जीएसटी मुआवजा उपकर पर मंत्रिसमूह की पहली बैठक में राज्यों ने यह प्रस्ताव भी दिया कि नया जीएसटी स्लैब बनाने के लिए उपकर को विलय करने के दौरान, विलासिता और अहितकर वस्तुओं की सूची में कोई नया सामान नहीं जोड़ा जाना चाहिए। बैठक में शामिल एक राज्य के वित्त मंत्री ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर कहा, 'सभी राज्यों ने उपकर को जीएसटी दरों में मिलाने का अनुरोध किया। उपकर वर्तमान में केंद्र द्वारा संग्रह किया जाता है और इसके जीएसटी दर में विलय के बाद राज्यों को ज्यादा राजस्व जुटाने में मदद मिलेगी क्योंकि इसे केंद्र और राज्यों के बीच समान रूप से बांटा जाएगा। अगली बैठक में मंत्रिसमूह इस पर चर्चा करेगा कि मुआवजा उपकर को किस तरह से जीएसटी दर में शामिल किया जाए। मंत्रिसमूह को 31 दिसंबर तक जीएसटी परिषद को अपनी रिपोर्ट सौंपने के लिए कहा गया है। चौधरी ने कहा कि मुआवजा उपकर के मुद्दे पर चर्चा के लिए बैठक बुलाई गई थी। राज्यों ने इस मसले पर अपने विचार साझा किए। बैठक में मुआवजा उपकर को आगे बढ़ाने या उसे घटाने पर भी चर्चा की गई। अगली बैठक नवंबर के दूसरे हफ्ते प्रस्तावित है।

डिजिटल अर्थव्यवस्था 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने में एआई निभाएगा अहम भूमिका

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को 2028 तक 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह खुलासा गूगल की रिपोर्ट से हुआ है। यह देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का करीब 20 फीसदी होगा। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि एआई न केवल आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा, बल्कि भारत को वैश्विक स्तर पर उभरने में भी मदद करेगा।

रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि 2030 तक भारत में एआई के व्यापक उपयोग से कम से कम 33.8 लाख करोड़ रुपए का आर्थिक मूल्य हासिल हो सकता है। रिपोर्ट बताती है कि भारत अपनी तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, उत्कृष्ट तकनीकी प्रतिभा, युवा जनसंख्या और जीवंत स्टार्टअप इकोसिस्टम के साथ एआई से मिलने वाले लाभों का पूरी तरह से उपयोग करने के लिए तैयार है। रिपोर्ट में कहा गया है एआई पहले से ही कृषि और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है। एआई-संचालित प्लेटफ़ॉर्म एग्रोस्टार किसानों को सशक्त बनाकर फसल उत्पादन बढ़ाने में मदद कर रहा है। इसी तरह स्वास्थ्य सेवा में, एआई निदान में सुधार कर रहा है और वंचित समुदायों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ा रहा है। भारत में एआई के संभावित लाभों को बढ़ावा देने के लिए रिपोर्ट ने तीन प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने का सुझाव दिया है- जिसमें बुनियादी ढांचे और नवाचार में निवेश, मानव पूंजी और एआई-सशक्त कार्यबल का निर्माण एआई के व्यापक अपनाने और सार्वभौमिक पहुंच को प्रोत्साहित करना शामिल है। गूगल का लक्ष्य है कि वह भारत में 10 मिलियन लोगों को एआई डिजिटल साक्षरता से सशक्त बनाए, जिसमें छात्र, नौकरी चाहने वाले, शिक्षक, स्टार्टअप, डेवलपर्स, और सिविल अधिकारी शामिल हैं। यह प्रयास भारत को एक वैश्विक एआई हब के रूप में स्थापित करने में मदद कर सकता है।

क्वांट म्यूचुअल फंड क्यूआईपी में सबसे बड़े निवेशक के रूप में उभरा

नई दिल्ली । क्वांट म्यूचुअल फंड ने अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड के हाल ही में संपन्न हुए 4,200 करोड़ रुपए के क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशंस प्लेसमेंट (क्यूआईपी) में सबसे बड़े निवेशक के रूप में उभरा है। कुल इश्यू का लगभग 47 फीसदी हिस्सा क्वांट म्यूचुअल फंड ने खरीदा है। स्टॉक एक्सचेंज में दाखिल की गई जानकारी के अनुसार, क्वांट म्यूचुअल फंड की प्रमुख स्कीम क्वांट स्मॉल कैप फंड ने अकेले ही के यूआईपी में 17.41 फीसदी हिस्सेदारी ली है। अडानी एंटरप्राइजेज ने इस क्यूआईपी के माध्यम से लगभग 4,200 करोड़ जुटाए, जिसमें 1.42 करोड़ इक्विटी शेयर 2,962 प्रति शेयर के मूल्य पर जारी किए गए। यह मूल्य फ्लोर प्राइस से 4.99 फीसदी की छूट पर था। क्वांट म्यूचुअल फंड की अन्य योजनाओं में क्वांट ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड, क्वांट एक्टिव फंड और क्वांट फ्लेक्सी कैप फंड ने भी अडानी एंटरप्राइजेज क्यूआईपी में 7 फीसदी से अधिक की हिस्सेदारी ली है, जिससे इनका कुल निवेश 2,000 करोड़ से अधिक हो गया है। अडानी एंटरप्राइजेज ने यह क्यूआईपी 9 अक्टूबर 2024 को शुरू किया था और यह 15 अक्टूबर 2024 को बंद हुआ।

हुंडई मोटर इंडिया के आईपीओ में पैसा लगाने से कतरा रहे निवेशक

मुंबई । दिग्गज ऑटोमोबाइल कंपनी हुंडई मोटर इंडिया का आईपीओ मंगलवार को खुला था। गुरुवार को इस आईपीओ को सब्सक्राइब करने का तीसरा और आखिरी दिन है। बुधवार को इस आईपीओ का दूसरा दिन था। लेकिन निवेशक हुंडई मोटर इंडिया के आईपीओ में पैसा लगाने से कतरा रहे हैं। दो दिन बीत जाने के बाद भी इस आईपीओ को सिर्फ 42 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन ही मिला है। जहां एक तरफ कुछ आईपीओ खुलने के कुछ घंटों में ही पूरी तरह से सब्सक्राइब हो जाते हैं, वहीं दूसरी ओर ये आईपीओ दो दिन में आधा भी सब्सक्राइब नहीं हुआ है। एनएसई के आंकड़ों के मुताबिक 27,870 करोड़ रुपए वाले इस आईपीओ के तहत 9,97,69,810 शेयरों की ऑफरिंग के लिए अभी तक सिर्फ 4,17,21,442 शेयरों के लिए ही सब्सक्रिप्शन मिला है। गौरतलब है` कि भारतीय शेयर बाजार का सबसे बड़ा आईपीओ है। इससे पहले सरकारी इंश्योरेंस कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम का 21,000 करोड़ रुपए का आईपीओ आया था। बुधवार तक हुंडई के आईपीओ ने सिर्फ एम्प्लॉई कैटेगरी में ही 131 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन हासिल किया है। क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशन्स ने इस आईपीओ के लिए अभी तक 58 प्रतिशत, नॉन-इंस्टीट्यूशनल बायर्स ने 26 प्रतिशत, रिटेल इंवेस्टर्स ने अपने कैटेगरी में 38 प्रतिशत ही सब्सक्राइब किया है। इसका मतलब ये हुआ कि हुंडई के आईपीओ को कर्मचारियों के अलावा किसी भी कैटेगरी के निवेशकों से कोई भाव नहीं मिल रहा है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 494 , निफ्टी 221 अंक गिरा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ । बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इससे भारतीय बाजार पर दबाव पड़ा है और वह नीचे आया । आज कारोबार के दौरान । रियल्टी, ऑटो और कंज्यूमर ड्यूरेबल शेयरों में भारी बिकवाली से भी बाजार गिरा । दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज 0.61 फीसदी तकरीबन 494.75 अंक नीचे आकर 81,006.61 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं इसी पकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 0.89 फीसदी तकरीबन 221.45 अंक फिसलकर 24,749.85 अंक के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी की 41 कंपनियों के शेयर नीचे आये जबकि केवल 9 के शेयर ही लाभ में रहे।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 कंपनियों में नेस्ले इंडिया का शेयर 3 फीसदी से ज्यादा गिरा । सितम्बर तिमाही का लाभ भी 0.94 फीसदी नीचे आकर 899.49 करोड़ रुपये रहने से एफएमसीजी कंपनी के शेयर में यह गिरावट आई है। इसके अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा, अल्ट्रा सीमेंट, बजाज फिनसर्व, टाइटन, टाटा स्टील, मारुति, एक्सिस बैंक, भारती एयरटेल, टाटा मोटर्स के शेयर भी नीचे आये।

वहीं दूसरी ओर इन्फोसिस, टीसीएस (टीसीएस), टेक महिंद्रा और एचसीएल टेक जैसी आईटी कंपनियों के शेयर बढ़त पर बंद हुए। साथ ही रिलायंस इंडस्ट्रीज, पावर ग्रिड, एल एंड टी के शेयर भी लाभ पर बंद हुए।

जानकारों के अनुसार बाजार में गिरावट का एक बड़ा कारण बजाज ऑटो के शेयरों का नीचे आना रहा। बजाज ऑटो के शेयर आज 12 फीसदी तक नीचे आये। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की निकासी से भी बाजार पर दबाव आया।

विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गत दिवस 3,435.94 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची।

वहीं गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग गिरावट के साथ बंद हुए जबकि यूरोप के बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। बुधवार को अमेरिकी बाजार पॉजिटिव दायरे में बंद हुए थे। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत तेजी से हुई। अमेरिकी शेयर बाजार

की तेजी से उत्साहित होकर बाजार में लगातार दो दिन से जारी गिरावट पर ब्रेक लग गया। बेंचमार्क इंडेक्स, सेंसेक्स और निफ्टी ने हरे निशान पर कारोबार की शुरुआती की। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 192 अंक की बढ़त लेकर 81,693 पर खुला। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 0.06 फीसदी की मामूली बढ़त के साथ 4,986 पर खुला। विदेशी बाजारों की बात करें तो एशिया-पैसिफिक बाजारों में वॉल स्ट्रीट की बढ़त के बाद तेजी देखी जा रही है। जापान का निक्की 225 इंडेक्स 0.27 फीसदी बढ़ा, जबकि ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 इंडेक्स 0.85 फीसदी चढ़ा। कोरिया का कोस्पी 0.17 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था।

हल्दीराम की प्रमोटर फैमिली का फैसला, अब 10 से 15 फीसदी हिस्सेदारी बेचेंगे

नई दिल्ली। देश के प्रमुख नमकीन और मिठाई ब्रांड हल्दीराम को खरीदने के लिए दुनिया की बड़ी कंपनियां दिलचस्पी ले रही हैं। हल्दीराम की प्रमोटर फैमिली ने पहले मैज्योरिटी हिस्सेदारी बेचने की योजना बनाई थी, लेकिन अब उन्होंने योजना में बदलाव किया है। कंपनी अब 10 से 15 फीसदी हिस्सा ही बेचेगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक बेन कैपिटल, ब्लैकस्टोन, और टेमासेक होल्डिंग्स जैसी प्राइवेट इक्विटी फर्मों ने हल्दीराम में हिस्सेदारी खरीदने में रुचि है। हालांकि, इन कंपनियों ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। हल्दीराम का बिजनेस मुनाफे में है और स्नैक्स मार्केट में इसका प्रदर्शन मजबूत है। 2032 तक भारतीय स्नैक्स मार्केट के दोगुना होकर 95,521.8 करोड़ रुपए तक पहुंचने का अनुमान है, जो इसे निवेश के लिए आकर्षक बनाता है। इससे पहले मई में खबरें आई थीं कि ये कंपनियां हल्दीराम की 51 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने के लिए 8-10 अरब डॉलर के वैल्यूएशन पर बातचीत कर रही थीं लेकिन वैल्यूएशन को लेकर मतभेदों के चलते यह सौदा टल गया। हल्दीराम ने आईपीओ लाने पर भी विचार किया था, लेकिन इस पर बात नहीं बनी। हल्दीराम का बिजनेस नागपुर और दिल्ली गुटों के मर्जर के बाद एकीकृत हो चुका है। हल्दीराम स्नैक्स फूड्स प्राइवेट लिमिटेड में हल्दीराम स्नैक्स प्राइवेट लिमिटेड की 56फीसदी और हल्दीराम फूड्स इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड की 44फीसदी हिस्सेदारी है।

बता दें हल्दीराम की शुरुआत 1937 में गंगा बिसन अग्रवाल ने की थी और आज यह कंपनी

100 से ज्यादा देशों में 400 से ज्यादा फूड आइटम्स बेच रही है। हल्दीराम का मुख्य मुकाबला बालाजी वैफर्स, बीकानेरवाला, आईटीसी, पार्ले प्रॉडक्ट्स, और पेप्सिको जैसी कंपनियों से है। हल्दीराम की भारतीय स्नैक्स मार्केट में 21फीसदी हिस्सेदारी है, जबकि पेप्सिको की 15फीसदी है।

भारत से व्यापार में चीन सबसे आगे

अप्रैल-सितंबर के दौरान कुल 56.29 अरब डॉलर मूल्य का आयात चीन से हुआ

नई दिल्ली। चीन इस साल अप्रैल-सितंबर के दौरान भारत के टॉप आयात स्रोत के रूप में उभरा है। इस अवधि में कुल 56.29 अरब डॉलर मूल्य का आयात चीन से हुआ है यानी सामान चीन से भारत आया है। वहीं इसी अवधि में अमेरिका देश के लिए टॉप एक्सपोर्ट डेस्टिनेशन के रूप में उभरा है। अमेरिका को सामान का किया जाने वाला निर्यात 5.62 प्रतिशत बढ़कर 40.38 अरब डॉलर हो गया। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही के दौरान चीन से आयात 11.5 प्रतिशत बढ़ा है। बीते वित्त वर्ष की इसी अवधि में आयात 50.48 अरब डॉलर रहा था। आंकड़ों के अनुसार इस अवधि में भारत में होने वाले आयात के शीर्ष 10 स्रोत चीन, रूस, संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका, इराक, सऊदी अरब, इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया, स्विट्जरलैंड और सिंगापुर रहे. चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-सितंबर के दौरान रूस से आयात बढ़कर 32.18 अरब डॉलर हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 30.43 अरब डॉलर था। इसी तरह यूएई से होने वाला आयात इस अवधि में बढ़कर 31.46 अरब डॉलर हो गया। पिछले वित्त वर्ष की पहली छमाही में यह 20.70 अरब डॉलर था। इस अवधि के दौरान देश के शीर्ष 10 निर्यात गंतव्य अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, ब्रिटेन, चीन, सिंगापुर, सऊदी अरब, बांग्लादेश, जर्मनी और दक्षिण अफ्रीका रहे।

एलआईसी ने शुरू किया सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान

- छोटे निवेशकों को मिलेगा बड़ा फायदा

मुंबई । एलआईसी म्युचुअल फंड ने निवेशकों के लिए छोटी बचत योजनाओं को बढ़ावा देने के लिए एक नई डेली एसआईपी (सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) योजना शुरू की है, जहां निवेशक मात्र 100 रुपए प्रतिदिन के साथ निवेश कर सकते हैं। इससे छोटे व्यापो रियों को फायदा होगा` जो रोज पैसा कमाते हैं। यह सुविधा 16 अक्टूबर से शुरू हो गई है। एलआईसी म्युचुअल फंड ने सिर्फ एलआईसी एमएफ टैक्स सेवर और एलआईसी एमएफ यूलिप को छोड़ अपनी बाकी सभी स्कीमों में रोजाना 100 रुपए सिप से निवेश करने की इजाजत दे दी है। डेली सिप के लिए कम से कम 60 इंस्टॉलमेंट के निवेश की शर्त है। निवेशक अगर मंथली सिप से निवेश करना चाहते हैं तो वे एलआईसी म्यूचुअल फंड की स्कीमों में हर महीने सिर्फ 200 रुपए के स्ढ्क्कसे निवेश कर सकते हैं। इसके लिए न्यूनतम इंस्टॉलमेंट कम से कम 30 होना चाहिए। निवेशक अगर हर तिमाही निवेश करना चाहता है तो वह एलआईसी म्यूचुअल फंड की स्कीम में हर तिमाही न्यूनतम 1000 रुपए का निवेश सिप के जरिए कर सकता है। कुछ समय पहले सेबी ने म्यूचुअल फंड्स की स्कीमों को लोगों के निवेश के दायरे में लाने के लिए छोटे अमाउंट के सिप शुरू

करने का ऐलान किया था। सेबी की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच भी कई बार माइक्रो सिप का जिक्र कर चुकी हैं। उनका मानना है कि इससे आबादी के बड़ा हिस्सा म्यूचुअल फंड की स्कीमों में निवेश कर ज्यादा रिटर्न का फायदा उठा सकता है।

निजी बीमाकर्ता भी कमीशन ढांचे में करेंगे बदलाव, अगले हफ्ते होगी बैठक

नई दिल्ली । बीमाकर्ताओं द्वारा पॉलिसियों को सरेंडर करने से संबंधित नियमों में बदलाव के बाद निजी क्षेत्र की जीवन बीमा कंपनियां विभिन्न वितरकों के लिए अपने कमीशन ढांचे में फेरबदल करने पर` विचार कर सकती हैं। सामंजस्यपूर्ण कमीशन ढांचे की रूपरेखा तैयार करने के लिए अगले हफ्ते जीवन बीमा कंपनियों के प्रमुखों की जीवन बीमा परिषद के साथ बैठक प्रस्तावित है। घटनाक्रम के जानकार सूत्रों के अनुसार इस कदम का उद्देश्य पूरे उद्योग में कमीशन भुगतान में स्थिरता सुनिश्चित करना और वितरकों पर इसके असर को कम करना है। जिन विकल्पों पर विचार किया जा रहा है उनमें कमीशन वापस लेना, कमीशन स्थगित करना और कमीशन में कटौती शामिल है। उद्योग के सूत्रों के अनुसार बैंक, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों जैसे बड़े कॉरपोरेट एजेंट के लिए बीमा कंपनियां कमीशन वापस लेने का विकल्प चुन सकती है जबकि व्यक्तिगत एजेंट के मामले में कमीशन स्थगित करना और उसमें कमी करने पर विचार हो सकता है। हालांकि यह एजेंट के प्रदर्शन पर निर्भर करेगा। उद्योग के जानकारों का कहना है कि निजी बीमाकर्ता अभी वितरकों और एजेंटों के साथ चर्चा कर रहे हैं और अगले दो से तीन महीने में इस बारे में निर्णय ले लेंगे। कंपनियों का मानना है कि बेहतर कमीशन की पेशकश के हिसाब से कुछ व्यक्तिगत एजेंट एक से दूसरी कंपनी में जा सकते हैं। जीवन बीमा परिषद के आंकड़ों के अनुसार सितंबर तक जीवन बीमा क्षेत्र में 30 लाख से अधिक व्यक्तिगत एजेंट काम कर रहे थे, जिनमें भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के साथ 14.4 लाख एजेंट जुड़े हैं। निजी क्षेत्र की एक बीमा कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार कमीशन वापस लेने की व्यवस्था उन वितरकों पर लागू होगी जिनके साथ छोड़ने का बीमा कंपनियां जोखिम उठा सकती हैं। अन्य के मामले में कमीशन स्थगित करना और उसे घटाने का विकल्प अपनाया जा सकता है। अधिकतर बीमा कंपनियों ने हाल में ग्राहकों के लिए आंतरिक रिटर्न दर (आईआरआर) में कमी की है जो मुख्य रूप से ब्याज दर में बदलाव के कारण है। मगर नए सरेंडर वैल्यू मानदंड के कारण आगे इसमें और कटौती की जा सकती है।

अमेरिका में 43 फीसदी छोटी कंपनियों का बुरा हाल

उच्च ब्याज दरों के कारण ब्याज चुकाना भी हो रहा मुश्किल

नई दिल्ली ।

दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी वाले देश अमेरिका में छोटी कंपनियों का बुरा हाल है। रसेल 2000 इंडेक्स में शामिल कंपनियों में से 43 फीसदी घाटे में चल रही हैं। यह साल 2020 की महामारी के बाद सबसे अधिक है। यह 2008 के वित्तीय संकट से भी अधिक है तब 41 फीसदी छोटी कंपनियां घाटे में चल रही थीं। इतना ही नहीं इन कंपनियों का ब्याज के भुगतान पर भारी रकम खर्च करनी पड़ रही है। यह 2003 के बाद सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है। उच्च ब्याज दरों के कारण इन कंपनियों के लिए ब्याज चुकाना भी मुश्किल हो रहा है। अमेरिका में छोटी कंपनियां ही नहीं बल्कि बड़ी कंपनियां भी मुश्किल में हैं। इस साल अब तक 512 बड़ी कंपनियां खुद को दिवालिया घोषित कर चुकी हैं। यह 2020 की महामारी के दौरान से बस 6 कम है। महामारी के दौर को हटा दिया जाए तो यह 14 साल में सबसे बड़ी संख्या है। सितंबर में जहां 59 कंपनियां दिवालिया हुईं, वहीं अगस्त में 63 कंपनियों ने खुद को बैंकरप्ट घोषित किया। सबसे ज्यादा 81 कंपनियां कंज्यूमर सेक्टर में बैंकरप्ट हुई हैं। इंडस्ट्रियल में 60 और हेल्थकेयर में 48 कंपनियां इस साल बैंकरप्ट हुई हैं। इस बीच अमेरिका का कर्ज तेजी से बढ़ता जा रहा है। यह 35.7 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया है जो उसकी इकॉनम का करीब 125 फीसदी है। साल 2000 में अमेरिका पर 5.7 ट्रिलियन डॉलर का कर्ज था जो साल 2010 में 12.3 ट्रिलियन डॉलर और 2020 में 23.2 ट्रिलियन डॉलर पहुंचा था। यूएस कांग्रेस के बजट दस्तावेजों के मुताबिक अगले दशक तक देश का कर्ज 54 ट्रिलियन डॉलर पहुंचने का अनुमान है। पिछले तीन साल में ही देश का कर्ज 10 ट्रिलियन डॉलर से अधिक बढ़ चुका है। स्थिति यह हो गई है कि अमेरिका को रोज 1.8 अरब डॉलर ब्याज के भुगतान में खर्च करने पड़ रहे हैं।

सैटकॉम स्पेक्ट्रम आवंटन को लेकर परामर्श प्रक्रिया अभी जारी: ट्राई प्रमुख

– दूरसंचार नियामक सिफारिशें प्रस्तुत करने से पहले सभी सुझावों पर गौर करेगा

नई दिल्ली। सैटकॉम स्पेक्ट्रम आवंटन के तौर-तरीकों को लेकर खींचतान के बीच ट्राई के चेयरमैन अनिल कुमार लाहोटी ने कहा कि परामर्श प्रक्रिया अभी जारी है और दूरसंचार नियामक सिफारिशें प्रस्तुत करने से पहले सभी सुझावों पर गौर करेगा। नियामक की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब स्टारलिंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क और भारतीय दिग्गजों के बीच सैटेलाइट स्पेक्ट्रम को लेकर गतिरोध जारी है। ट्राई के चेयरमैन लाहोटी ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) के अवसर पर पत्रकारों से कहा` कि हमें दूरसंचार विभाग से संदर्भ मिला है। हमने दूरसंचार विभाग से प्राप्त संदर्भ के प्रत्युत्तर में परामर्श प्रक्रिया शुरू कर दी है और इसमें उन मुद्दों को शामिल किया गया है जिन्हें दूरसंचार विभाग द्वारा ट्राई को भेजा गया है, परामर्श प्रक्रिया जारी है हम परामर्श प्रक्रिया के दौरान प्राप्त सभी विचारों पर गौर करेंगे और अपनी सुविचारित सिफारिशें प्रस्तुत करेंगे। रिलायंस जियो की स्थलीय तथा उपग्रह कंपनियों के बीच समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए ट्राई परामर्श पत्र को संशोधित करने की मांग पर ट्राई के चेयरमैन ने कहा` कि विभिन्न हितधारक परामर्श प्रक्रिया पर अलग-अलग मांग उठाते हैं। हम इन सभी दृष्टिकोणों तथा विचारों पर गौर करते हैं और एक सुविचारित दृष्टिकोण अपनाते हैं। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क ने उपग्रह-आधारित संचार में इस्तेमाल होने वाले स्पेक्ट्रम का आवंटन नीलामी के जरिये किए जाने की भारतीय अरबपति मुकेश अंबानी और सुनील भारती मित्तल की मांग को अभूतपूर्व बताते हुए निशाना साधा है। अंबानी की दूरसंचार कंपनी रिलायंस जियो पुराने दूरसंचार परिचालकों को समान अवसर देने के लिए नीलामी के जरिये ऐसे स्पेक्ट्रम आवंटित करने की जरूरत पर बल दे चुकी है। भारती एयरटेल के प्रमुख मित्तल ने भी हाल ही में ऐसे आवंटन के लिए बोली लगाने की वकालत की। हालांकि मस्क की अगुवाई वाली स्टारलिंक वैश्विक रुख के अनुरूप उपग्रह-आधारित संचार के लिए लाइसेंसों का प्रशासनिक आवंटन किए जाने की मांग कर रही है। स्टारलिंक दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते मोबाइल टेलीफोन और इंटरनेट बाजार भारत में कदम रखने की योजना बना रही है।

बेंगलुरु टेस्ट में भारत 46 रन पर ऑल आउट

भारत /न्यूजीलैंड : शतक से चूके डेवोन कॉनवे, बनाई 134 रन की बढ़त, स्कोर 180/3

बेंगलुरू (एजेंसी)। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में वर्षा प्रभावित टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड के मैट हेनरी (5) और विलियम ओरोर्के (4) की शानदार गेंदबाजी के कारण भारत पहले टेस्ट की पहली पारी में 46 रन पर ढेर हो गया। भारत की तरफ से 5 खिलाड़ी शून्य पर आउट हो गए जिसमें विराट कोहली, सरफराज खान, केएल राहुल, रविंद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन जैसे बड़े खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं रोहित शर्मा ने मात्र 2 रन बनाए। यशस्वी जायसवाल ने 13 रन की पारी खेली जबकि ऋषभ पंत ने सबसे ज्यादा 20 रन की पारी खेली।

न्यूजीलैंड ने गेंदबाजी के बाद बल्लेबाजी की शानदार शुरूआत की और दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक पहली पारी में 3 विकेट के नुकसान पर 180 रन बनाए। इससे न्यूजीलैंड ने पहली पारी में भारत पर 134 रन की बढ़त बना ली है। इस दौरान डेवोन कॉनवे (91) शतक से चूक गए।

भारत ने पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन गुरुवार को टॉस जीतकर न्यूजीलैंड के खिलाफ बल्लेबाजी से शुरुआत करने का फैसला किया। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। टॉस के बाद रोहित ने कहा कि पिच शुरु में गेंदबाजो के लिए मददगार साबित हो सकती है लेकिन विकेट के नेचर को देखते हुए उनकी टीम स्कोरबोर्ड पर अधिक से अधिक रन का स्कोर खड़ा करना चाहती है इसलिए उन्होंने पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया है।

न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लेथम ने कहा कि खराब मौसम के कारण उनकी टीम को तैयारी करने का पर्याप्त मौका नहीं मिल पाया लेकिन चूंकि विकेट काफी समय तक ढका रहा है और बारिश भी हुई है तो ऐसे में उन्हें उम्मीद है कि सतह से उनके तेज गेंदबाजों को मदद मिलेगी। इससे पहले बारिश के कारण पहले दिन खेल बारिश के कारण रद्द कर दिया गया था और टॉस भी नहीं हो सका।

निशानेबाजी विश्व कप फाइनल में विवान को रजत, नरूका को कांस्य पदक

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनंतजीत सिंह नरूका के पुरुष स्कीट में कांस्य पदक के बाद विवान कपूर ने पुरुष ट्रैप स्पर्धा में रजत पदक जीता जिससे बृहस्पतिवार को यहां आईएसएसएफ विश्व कप निशानेबाजी फाइनल में भारत के पदकों की संख्या चार हो गई।

विवान ने फाइनल में 44 का स्कोर बनाया और वह चीन के स्वर्ण पदक विजेता यिंग की से पीछे रहे। तुर्की के टोल्गा एन टुंसर ने 35 के स्कोर से कांस्य पदक जीता। विवान ने क्वालीफिकेशन दौर में 125 में से 120 अंक जुटाकर छह निशानेबाजों के फाइनल में जगह बनाई थी।

इससे पहले राजस्थान के 26 वर्षीय नरूका ने छह निशानेबाजों के फाइनल में 43 के स्कोर के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। इटली के तामारो कासांद्रो को स्वर्ण और गैब्रियेले रोसेत्ती को रजत पदक मिला जिन्होंने क्रमश- 57 और 56 स्कोर किया। नरूका ने क्वालीफिकेशन दौर में 125 में से 121 स्कोर किया था।

भारत के लिए सोनम मस्कर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में रजत और अखिल श्योराण ने पुरूषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में कांस्य पदक जीता है। नरूका और महेश्वरी चौहान पेरिस ओलंपिक में स्कीट मिश्रित टीम स्पर्धा में चौथे स्थान पर रहे थे।

भारतीय टीम के नाम जुड़ा शर्मनाक रिकॉर्ड, 293 घरेलू टेस्ट में पहली बार हुआ ऐसा

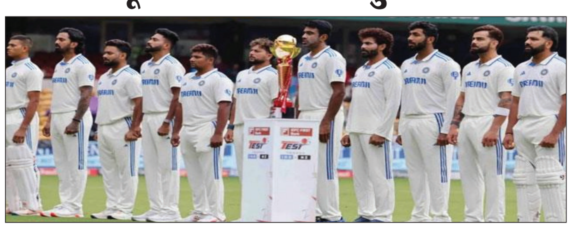

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ वर्षाबाधित पहले टेस्ट में अपनी पहली पारी में 31.2 ओवर में 46 रन पर सिमट गई जो स्वदेश में खेले गए 293 टेस्ट में उसका न्यूनतम स्कोर है। भारत के पांच बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल सके। यह पहली बार है कि घरेलू टेस्ट की पारी में भारतीय टीम 50 रन भी नहीं बना सकी। इसके अलावा यह दूसरी बार है कि घरेलू टेस्ट में न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच भारतीय बल्लेबाज खाता नहीं खोल सके।

इससे पहले 1999 में मोहाली टेस्ट में ऐसा हुआ था। घरेलू मैदान पर भारत का न्यूनतम टेस्ट स्कोर 37 साल पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ नवंबर 1987 में दिल्ली में दर्ज हुआ था। भारत का न्यूनतम टेस्ट स्कोर चार साल पहले आस्ट्रेलिया के खिलाफ एडीलेड में बना जब टीम 36 रन पर आउट हो गई थी। पारंपरिक प्रारूप में भारत के न्यूनतम टेस्ट स्कोर की सूची इस प्रकार है।

भारत में -

न्यूजीलैंड के खिलाफ 31.2 ओवर में 46 रन, बेंगलुरू 2024

वेस्टइंडीज के खिलाफ 30.4 ओवर में 75 रन, दिल्ली 1987

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 20 ओवर में 76 रन, अहमदाबाद 2008

न्यूजीलैंड के खिलाफ 27 ओवर में 83 रन, मोहाली 1999

न्यूजीलैंड के खिलाफ 33.3 ओवर में 88 रन, मुंबई 1965

विदेश में -

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 21.2 ओवर में 36 रन, एडीलेड 2020

इंग्लैंड के खिलाफ 17 ओवर में 42 रन , लॉर्डर्स 1974

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 21.3 ओवर में 58 रन, ब्रिसबेन 1947

इंग्लैंड के खिलाफ 21.4 ओवर में 58 रन, मैनचेस्टर 1952

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 34.1 ओवर में 66 रन, डरबन 1996

पाकिस्तान/इंग्लैंड दूसरे टेस्टः पाकिस्तान को आई जीत की महक, इंग्लैंड को चाहिए अभी इतने रन

खेल डैस्क । मुल्तान में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन इंग्लैंड के गेंदबाजों ने भले ही अच्छा प्रदर्शन कर पाकिस्तान को दूसरे पारी में 221 रन पर रोक लिया। लेकिन इस दौरान फील्डिंग खराब रही। दूसरी पारी में पाकिस्तान का स्कोर एक समय 8 विकेट पर 156 रन पर था। इस बीच जेमी स्मिथ और जो रूट ने पाकिस्तानी बल्लेबाज सलमान अली आगा के दो कैच छोड़ दिए। सलमान ने इसका जमकर फायदा उठाया और टीम का स्कोर 221 तक ले गए। सलमान ने 89 गेंदों पर पांच चौके और एक छक्के की मदद से 63 रन बनाए जबकि 10वें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए साजिद खान ने 22 रन बनाकर पाकिस्तान को मजबूती दी। अब इंग्लैंड के सामने दूसरी पारी में जीत के लिए 297 रन का लक्ष्य है। पहली पारी में शतकवीर डंकेट 0 पर ही आऊट हो गए जबकि जैक क्राउले ने 3 रन बनाए। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक इंग्लैंड ने 36 रन पर 2 विकेट गंवा लिए हैं। ओली पोप 21 तो जो रूट 12 रन बनाकर क्रीज पर खड़े हैं।

पाकिस्तान पहली पारी : 366-10 (123.3 ओवर)

पाकिस्तान ने 19 रन पर ही शफीक और कप्तान शान मसूद के विकेट गंवा लिए थे। लेकिन सईम अयूब ने 77 तो कामरान गुलाम ने 118 रन बनाकर पाकिस्तन को मजबूत स्थिति दी। कामरान को बाबर आजम की जगह टीम में चुना गया था। उन्होंने शतक लगाकर खुद को साबित किया। इसी तरह रिजवान ने 31, आगा ने 31 तो आमेर जमाल ने 37 रन बनाकर स्कोर 366 तक पहुंचाया।

इंग्लैंड पहली पारी - 291/10 (67.2 ओवर)

इंग्लैंड ने तीसरे दिन 239/6 से शुरूआत की थी। तभी ब्राइडन कार्स (चार) को साजिद खान ने अपना शिकार बना लिया। इसके बाद 60वें ओवर में मैथ्यू पॉट्स (6) को साजिद खान ने बोल्ड आउट किया। जेमी स्मिथ और जैक लीच ने कुछ देर पारी को संभालकर रखा। नौमन अली ने जेमी स्मिथ (21) को आउट कर पाकिस्तान को 9वीं सफलता दिलाई। इसके बाद साजिद खान ने शोएब बशीर (9) को आउटकर इंग्लैंड की पारी को 291 पर समेट दिया। पाकिस्तान की ओर से साजिद खान ने 7 विकेट लिए। नौमन अली 3 विकेट लिए।

पाकिस्तान दूसरी पारी - 221-10 (59.2 ओवर)

इंग्लैंड की पहली पारी 291 रन पर ही सिमट गई जिससे पाकिस्तान को 75 रनों की बढ़त मिली। दूसरी पारी में पाकिस्तान की ओर से मध्यक्रम में कामरान गुलाम ने 26, सऊद शकील ने 31, रिजवान ने 23 रन बनाए। तभी आगा सलमान ने 89 गेंदों पर 63 तो साजिद खान ने 43 गेंदों पर 22 रन बनाकर स्कोर 221 तक पहुंचा दिया। पाकिस्तन के पास 296 रन की बढ़त है।

अब देश के सबसे धनी खिलाड़ी बन जाएंगे अजय जडेजा

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा जमनगर राजगद्दी के उत्तराधिकारी बनने के बाद अब हजारों करोड़ रुपये की संप्पति के मालिक बन गये हैं और इस मामले में सबसे आगे निकल गये हैं। जामनगर का महाराजा बनने के बाद उन्हें विरासत में 1450 करोड़ रुपये की संपत्ति मिलेगी। इसके साथ ही वह जामनगर में स्थित एक भव्य शाही महल में रहेंगे। उनका निवास आधुनिक विलासिता और पारंपरिक वास्तुकला का बेहतरीन मिश्रण है। अजय जडेजा अब देश के सबसे धनी खिलाड़ी भी बन जाएंगे। इस मामले में वह स्टार क्रिकेटर विराट कोहली को भी पीछे छोड़ देंगे, जिनकी कुल संपत्ति लगभग 1,000 करोड़ आंकी गई। जडेजा 90 के दशक में अपने खेल के कारण छाये रहते थे। वह एक बेहतरीन बेट्समैन और जबरदस्त फील्डर और कप्तान रहे हैं। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद जडेजा ने फिल्मों में भी आये पर उसमें सफल न होने के बाद क्रिकेट से जुड़ी भूमिकाओं में ही व्यस्त रहे। वहीं अब उन्हें रियासत को संभालने की जिम्मेदारी मिली है। दशहरा के अवसर पर महाराजा शत्रुसल्य सिंह जी दिग्विजयसिंह जी जडेजा ने अजय जडेजा को जामनगर शाही सिंहासन का उत्तराधिकारी घोषित किया था। एक रिपोर्ट के अनुसार , अजय जडेजा की कुल संपत्ति लगभग 1,40 करोड़ रुपये है पर अब वह कई गुना बड़ जाएगी। है।

बॉर्डर गावस्कर सीरीज में बुमराह पर अंकुश लगाना होगा : कमिंस

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस ने कहा कि उनकी टीम को अगले माह भारत के खिलाफ होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर अंकुश लगाये रखना होगा। कमिंस ने कहा कि अगर उनकी टीम को इस सीरीज में जीत चाहिये तो उन्हें किसी भी हाल में बुमराह को रोकना होगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होगी। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान के अुनसार बुमराह अभी लय में हैं और हमारी उछल भरी पिचों पर उनकी गेंदों को खेलना आसान नहीं रहेगा। भारत ने साल 2014-15 से यह ट्रॉफी लगातार जीती है। उसने दो बार ऑस्ट्रेलिया को उसी की धरती पर हराया। कमिंस ने कहा, ''मैं बुमराह का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। मुझे लगता है कि वह एक शानदार गेंदबाज हैं। अगर हम उस पर अंकुश कसने में सफल रहते हैं तो इससे हमें सीरीज जीतने में काफी सहायमता मिलेगी।''

कमिंस ने कहा कि उनकी टीम रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप और एकदिवसीय विश्व कप की जीत से प्रेरित होकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा, ''हमने उनके खिलाफ जो पिछली दो सीरीज खेली थी उन्हें काफी समय हो गया है। हम उससे उबर चुके हैं।'' कमिंस ने कहा,''मैं उनके रोहित शर्मा साथ एक टीम में कभी नहीं खेला इसलिए मैं उन्हें बहुत अच्छी तरह से नहीं जानता पर मुझे पता है कि भारतीय टीम काफी संगठित हैं और उनकी रणनीति सटीक है।''

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा,'' हम पिछले कुछ साल में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल और एकदिवसीय विश्व कप में जीत हासिल करने में सफल रहे हैं। हम इनसे प्रेरणा लेने की कोशिश करेंगे जैसे कि उनकी टीम यहां अपनी पिछली कुछ सफलताओं से प्रेरणा लेने के प्रयास करेगी।'' कमिंस ने कहा कि भारतीय टीम में इस बार चेतेश्वर पुजारा नहीं रहेंगे जिससे भी हमें लाभ होगा। पिछल सीरीजों में भारतीय टीम की जीत में पुजारा की अहम भूमिका रही थी। वह एक छोर संभाले रखते थे और उन्हें आउट करना कठिन होता था।

एसीसी टी-20 इमर्जिंग टीम एशिया कपः कल होगा भारत-पाकिस्तान का मुकाबला

दुबई (एजेंसी)। नई दिल्ली -एसीसी टी-20 इमर्जिंग टीम एशिया कप 2024 में भारत ए का मुकाबला पाकिस्तान ए से शुक्रवार को होगा। ओमान में 18 से 27 अक्टूबर तक खेली जानी वाली इस प्रतियोगिता में कुल आठ टीमें भाग लेगी। प्रतियोगिता के सभी मुकाबले अल अमारात में ओमान क्रिकेट अकादमी ग्राउंड पर खेले जाएंगे।

भारतीय टीम कल पाकिस्तान ए के खिलाफ मैच से अपने अभियान की शुरुआत करेगी। इस प्रतियोगिता में आठ टीमों को चार-चार टीमों के दो समूहों में विभाजित किया गया है और टीमें राउंड रॉबिन फॉर्मेट में एक-दूसरे से भिड़ेंगी। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी।

एशिया कप 2024 की टीमें और ग्रुप इस प्रकार है

ग्रुप एःअफगानिस्तान ए, बांग्लादेश ए, श्रीलंका ए, हांगकांग चीन ग्रुप बी- भारत ए, पाकिस्तान ए (पाकिस्तान शाहीन्स), ओमान, संयुक्त आराम अमीरात (यूएई)

एशियाई क्रिकेट टूर्नामेंट का यह छठा संस्करण है लेकिन यह पहली बार होगा कि एसीसी इमर्जिंग टीम एशिया कप टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा। पिछले सभी पांच संस्करण 50-50 ओवर प्रारूप में आयोजित किए गए थे। भारत ने 2013 में उद्घाटन संस्करण का खिताब जीता था जबकि श्रीलंका ने 2017 और 2018 में खिताब पर कब्जा जमाया था। वहीं इसके बाद के दो संस्करणों 2019 और 2023 में पाकिस्तान शाहीन्स ने जीत हासिल की थी।

भारतीय क्रिकेट टीम इस प्रकार है

भारत ए : तिलक वर्मा (कप्तान), अभिषेक शर्मा, आयुष बडोनी, निशांत सिंधु, अनुज रावत, प्रभसिमरन सिंह, नेहल वढेरा, अंशुल कंबोज, रितिक शौकीन, आकिब खान, वैभव अरोड़ा, रसिख सलाम, साई किशोर, राहुल चाहर।

पूर्व भारतीय बल्लेबाज हेमंग बदानी बने दिल्ली कैपिटल्स के प्रमुख कोच

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय बल्लेबाज हेमंग बदानी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के लिए दिल्ली कैपिटल्स का प्रमुख कोच और पूर्व भारतीय बल्लेबाज वेणुगोपाल रॉव को क्रिकेट निदेशक बनाया गया है। बदानी ने रिकी पोंटिंग की जगह ली है तो वहीं रॉव पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली के स्थान पर पदभार संभाला है। दोनों नियुक्तियां दिल्ली कैपिटल्स द्वारा कोचिंग स्टाफ और फ्रैंचाइजी की संचालन संरचना में सुधार का हिस्सा हैं। इसके अलावा डीसी ने 2014 से सहायक कोच और टैलेंट स्काउट के रूप में काम करने वाले प्रवीण आमरे के साथ अनुबंध को आगे नहीं बढ़ाने का भी फैसला किया है। गुरुवार को मीडिया को जारी बयान में फ्रैंचाइजी ने कहा, 'दोनों टीमों की नीलामी, कप्तानी, खिलाड़ियों की रिहाई और रिटेंशन जैसे महत्वपूर्ण निर्णय डीसी बोर्ड द्वारा किए जाएंगे और दोनों समूहों के वरिष्ठ नेतृत्व द्वारा पारस्परिक रूप से फैसला लिया जाएगा।' पुनर्गठन के तहत डीसी के सह-मालिक जीएमआर समूह और जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स - आईपीएल और डब्ल्यूपीएल में अपनी टीमों के लिए हर दो साल में परिचालन नेतृत्व भूमिकाओं की अदला-बदली करेंगे। नतीजतन, गांगुली अगले दो सत्रों (2025 और 2026) के लिए डब्ल्यूपीएल में फ्रैंचाइजी के लिए क्रिकेट निदेशक का पद संभालेंगे। गांगुली 2027 सीजन से आईपीएल में वापस आ जाएंगे जब जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स वापस कार्यभार संभालेगा।

एशेज सीरीज का पहला मुकाबला पर्थ में खेला जाएगा

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच होने वाली 2025-26 की एशेज सीरीज का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। अगले साल 21 नवंबर से शुरु होने वाली इस सीरीज का पहला मैच पर्थ में खेला जाएगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) इस सीरीज का कार्यक्रम जारी कर दिया है। इसमें पर्थ 21 नवंबर को पर्थ में पहला मैच होगा। वहीं ब्रिस्बेन के गाबा में 4 दिसंबर से दिन-रात का दूसरा टेस्ट मैच खेला जाएगा। वहीं एडिलेड ओवल में तीसरा टेस्ट होगा। तीसरा टेस्ट प्री-क्रिसमस टेस्ट होगा, जो अगले दो टेस्ट, बॉक्सिंग डे टेस्ट, 26 दिसंबर से मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में सीरीज का चौथा मैच और 4 जनवरी से सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में नए साल का सीरीज का अंतिम मैच होगा।

एडिलेड ऑस्ट्रेलिया में सबसे पहले दिन-रात का पहला टेस्ट पहला मैच 2015 में हुआ था। इसके अलावा इस मैदान में साल 2017-18 और 2021-22 सीरीज में दो दिन-रात के टेस्ट हुए थे। गाबा ने पहले तीन दिन-रात टेस्ट की मेजबानी की थी जिसमें इस साल की शुरुआत में जनवरी में वेस्टइंडीज की प्रसिद्ध जीत भी शामिल थी।

यह पहली बार है जब ब्रिसबेन को 1982-83 के बाद से एशेज सीरीज के पहले मैच की मेजबानी नहीं मिली है। पर्थ पहला टेस्ट आयोजित करेगा और दूसरा टेस्ट ब्रिसबेन में होगा। इस बात की अच्छी संभावना है कि एशेज 2025-26 गाबा टेस्ट स्टेडियम में आखिरी टेस्ट होगा क्योंकि 2026-27 और उसके बाद वहां कोई टेस्ट निर्धारित नहीं है। स्टेडियम अपनी मौजूदा स्थिति में 2030 तक उपयोग करने योग्य नहीं होगा।

सीए के कार्यकारी महाप्रबंधक (कार्यक्रम और संचालन) जोएल मॉरिसन ने पर्थ में कहा, 2025-26 एशेज की तिथियां हमारे हाल ही में जारी सात साल के अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के साथ हैं और हम राज्य और क्षेत्रीय सरकारों द्वारा हमारे प्रमुख आयोजनों को बढ़ाने और विकसित करने के लिए दिए जा रहे समर्थन के लिए आभारी हैं।

विराट कोहली 38 बार शून्य पर आउट हुए, हरभजन सिंह से भी निकले आगे

स्पोर्ट्स डेस्क । विराट कोहली एक और खराब प्रदर्शन देखने को मिला जब वह बेंगलुरू के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की पहली पारी में शून्य पर आउट हो गए। गुरुवार को मैच की शुरुआत के लिए बारिश के कारण पूरे पहले दिन के खेल पर विराम से हुई। आश्चर्यजनक रूप से आसमान में बादल छाए रहने और अधिक बारिश के पूर्वानुमान के बावजूद भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और यह फैसला उल्टा पड़ गया। कीवी तेज गेंदबाजों ने भारत को मैच में उतारा, जिन्होंने लंच तक मेजबान टीम को 23.5 ओवर में 6 विकेट पर 34 रन पर ढेर कर दिया। खराब स्कोरकार्ड में 5 भारतीय बल्लेबाज बिना खाता खोले आउट हुए जिसमें कोहली भी शामिल हैं, जिन्होंने अपने अनचाहे रिकॉर्ड में एक और शून्य जोड़ा। अब 38 शून्य के साथ कोहली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक बार शून्य पर आउट होने वाले शीर्ष पांच भारतीयों की सूची में एकमात्र बल्लेबाज हैं। उन्हें विलियम ओ% रुरके ने आउट किया, जो तेजी से अंदर आती हुई गेंद को बचाने की कोशिश करते हुए लेग साइड में कैच आउट हुए। दिलचस्प बात यह है कि सचिन तेंदुलकर 782 पारियों में 34 बार शून्य पर आउट (टेस्ट में 14 और वनडे में 20) के साथ इस सूची में छठे स्थान पर हैं। कोहली ने आखिरी बार टेस्ट में 32 पारियों पहले मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में डक आउट किया था, जब न्यूजीलैंड ने 2021 में भारत का दौरा किया था।

आईपीएल 2025 में ऋषभ पंत नहीं होंगे दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान, कतार में यह ऑलराउंडर शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्टार भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत इंडियन प्रीमियर लीग के आगामी 2025 संस्करण में दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी नहीं करेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली को नए कप्तान की तलाश है और ऑलराउंडर अक्षर पटेल भी पंत की जगह लेने की कतार में हैं जिन्हें 2021 में टीम का कप्तान नियुक्त किया गया था।

सूत्र के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया, 'हां, दिल्ली कैपिटल्स को नए कप्तान की तलाश हो सकती है। संभावना है कि भारतीय ऑलराउंडर अक्षर पटेल नए कप्तान की भूमिका निभा सकते हैं, या फ्रैंचाइजी आईपीएल नीलामी (नवंबर के मध्य में विदेश में होने वाली) में किसी ऐसे व्यक्ति पर नजर रख सकती है जो कप्तानी के लिए उपयुक्त हो।' सूत्र ने कहा, 'पंत फ्रैंचाइजी के शीर्ष रिटेंशन के लिए तैयार हैं। यह सिर्फ इतना है कि डीसी के नेतृत्व समूह को लगता है कि कप्तानी के दबाव के बिना वह बेहतर स्थिति में हैं।'

पंत 2016 से आईपीएल में डीसी के साथ जुड़े हुए हैं। वह फ्रैंचाइजी के लिए आईपीएल इतिहास में सबसे ज़्यादा कैप्ड खिलाड़ी हैं और कैश-रिच लीग में टीम के लिए सबसे ज़्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भी उनके नाम है। मार्च 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ व्हाइट-बॉल सीरीज में भारत के लिए खेलते समय लगी चोट के कारण श्रेयस अय्यर के टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद पंत को 2021 में डीसी का कप्तान नियुक्त किया गया था।

कप्तान के रूप में पंत के पहले सीजन में दिल्ली कैपिटल्स अंक तालिका में शीर्ष पर रही, लेकिन चेन्नई सुपर किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ दोनों क्वालीफायर मैच हारने के बाद फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में विफल रही। आईपीएल 2022 की मेगा नीलामी से पहले पंत को डीसी ने 16 करोड़ रुपए में रिटेन किया था और उन्होंने 2022 संस्करण में फ्रैंचाइजी का नेतृत्व किया, जहां दिल्ली अंक तालिका में पांचवें स्थान पर रही। 30 दिसंबर 2022 को एक सड़क दुर्घटना में लगी कई चोटों के कारण वह 2023 संस्करण से चूक गए। वह आईपीएल 2024 में दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान के रूप में वापस लौटे और सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी के रूप में सीजन समाप्त किया, लेकिन टीम एक बार फिर प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने में विफल रही।

शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने का काम करती है कुंजल क्रिया

क्या आपने कभी कुंजल क्रिया के बारे में कुछ सुना है। अगर नहीं तो यह क्रिया आपके शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने का काम करती है। आइए जानते हैं कुंजल क्रिया के बारे में और जानते हैं कैसे यह आपकी सेहत पर असर डालती है।

भारत में योग का चलन आज से नहीं बल्कि सदियों से रहा है। योग महज एक शारीरिक व्यायाम नहीं है। बल्कि यह जीवन को सरल और बेहतर बनाने का एक बेजोड़ तरीका है। आज हम आपको योगा की एक ऐसी ही टेक्निक से रूबरू कराएंगे। जो आपके शरीर से विषाक्त पदार्थों को तो बाहर निकालती ही है। साथ ही आपको कई दूसरे लाभ भी देती है। दरअसल हम बात कर रहे हैं कुंजल क्रिया के बारे में। यह अन्य योगासन से बहुत भिन्न है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि इस क्रिया में आपको उल्टी करनी होती है। हां शायद यह आपको थोड़ी अजीब लग सकती है। लेकिन कुंजल क्रिया सही मायने में बहुत ज्यादा फायदेमंद है। आइए जानते हैं इस क्रिया के बारे में।

क्या है कुंजल क्रिया

कुंजल क्रिया आपके शरीर से अशुद्धियां बाहर निकालने की एक जबरदस्त टेक्निक है। कुंजल क्रिया के बारे में सबसे पहले हठयोग से संबंधी एक प्रदीपिका ग्रंथ में दिया गया था। इस ग्रंथ में ही इसे शरीर की सफाई करने की तकनीक के रूप में बताया गया है। कुंजल क्रिया न केवल आपके शरीर को साफ करती है बल्कि यह आपके मन को भी नियंत्रित करने में भी सहायता प्रदान करती है। इसके अलावा जर्नल ऑफ आयुर्वेद एंड इंटीग्रेटिव मेडिसिन में इसे लेकर एक शोध भी प्रकाशित किया गया है। इसमें बताया गया है कि उल्टी करने के बाद व्यक्ति को खालीपन महसूस होता है और इससे कई शारीरिक लाभ होते हैं। आइए जानते हैं कैसे की जाती है कुंजल क्रिया।

कैसे होती है कुंजल क्रिया

- इसके लिए आपको कम से कम 6 से 8 गिलास गुनगुने पानी की जरूरत होगी और हर एक लीटर पानी पर एक चम्मच सेंधा नमक या साधारण नमक भी चाहिए होगा।
- अब आपको एक लीटर पानी में एक चम्मच सेंधा नमक मिलाना होगा और कगासन की मुद्रा में बैठना होगा।
- इसके बाद आपको इसी मुद्रा में यह पानी जल्दी से जल्दी पीना होगा और उल्टी करने के लिए थोड़ा आगे झुक कर खड़ा होना होगा।
- जब आपको लगे की पेट खाली हो चुका है तो शवासन की मुद्रा में 30 मिनट के लिए लेट जाएं।
- इस क्रिया में आपको उल्टी तुरंत आ जाती है। ऐसे में अगर यह क्रिया करें तो विशेषज्ञ की निगरानी में ही करें।

वजन और पाचन के लिए

जब भी आप कुंजल क्रिया करते हैं तो इससे आपके पेट की मांसपेशियां सिकुड़ जाती है और फैट कम हो जाता है। ऐसे में अगर आप फैट या वजन कम करने की कोशिश में लगे हुए हैं तो य क्रिया आपके लिए बहुत फायदेमंद होगी। यह पाचन तंत्र को पूरी तरह स्वस्थ रखने काम काम करती है।

तनाव और चिंता से राहत

जब आप इस क्रिया को करते हैं तो इससे शरीर में रक्त प्रवाह बेहतर हो जाता है और आपके शरीर के हर हिस्से तक ऑक्सीजन पहुंचने लगता है। इससे आपका हार्ट रेट कम हो जाता है और सांस लेना भी आसान हो जाता है। साथ ही यह ब्लड प्रेशर को भी ठीक करता है। ऐसे में कहा जा सकता है कि कुंजल क्रिया के जरिए तनाव और चिंता को कम किया जा सकता है। ध्यान रहे कि यह क्रिया किसी विशेषज्ञ की

या फिर आपकी आयु 16 साल से कम है तो इस आसन को बिल्कुल ना करें।

खांसी और सर्दी से राहत

जब आप कुंजल क्रिया करते हैं तो इससे आपके फेफड़ों की मांसपेशियां मजबूत होती है और इनकी सहन शक्ति बढ़ जाती है। साथ ही इसके जरिए आपके फेफड़े भी साफ हो जाते हैं और आपके लिए सांस लेना आसान हो जाता है। इस तरह यह सर्दी और खांसी के लक्षणों से राहत दिलाती है।

एलईडी और टीएफटी स्क्रीन से निकलने वाली सफेद रोशनी आंखों को तनाव में डालती है। आयुर्वेद के अनुसार, संपूर्ण शरीर की तरह आंख भी तत्वों से संबंधित है। आंख की मांसपेशियां पृथ्वी तत्व द्वारा नियंत्रित होती हैं, जबकि ब्लड वेसल्स अग्नि द्वारा और आंखों का रंग हवा से नियंत्रित होता है।

ऐसे करें आंखों की देखभाल

मोबाइल और लैपटॉप के बढ़ते इस्तेमाल के कारण हमारी आंखों का इस्तेमाल पहले से कहीं ज्यादा हो रहा है। जिससे लोगों में सिरदर्द, जलन और आंखों में तनाव के मामले बढ़े हैं। खासकर, एलईडी और टीएफटी स्क्रीन से निकलने वाली सफेद रोशनी आंखों को तनाव में डालती है। आयुर्वेद के अनुसार, संपूर्ण शरीर की तरह आंख भी तत्वों से संबंधित है। आंख की मांसपेशियां पृथ्वी तत्व द्वारा नियंत्रित होती हैं, जबकि ब्लड वेसल्स अग्नि द्वारा और आंखों का रंग हवा से नियंत्रित होता है। आंखें पित्त दोष का आसन हैं। चूंकि पित्त दोष उम्र के साथ असंतुलित हो जाता है, इसलिए आंखें प्रभावित होती हैं।

सुबह उठकर मुंह में पानी भरें

रोज सुबह उठकर टॉयलेट जाने से पहले या बाद में मुंह में पानी भरें और कुछ सैकंड्स तक होल्ड करें। इस दौरान आपकी आंखें बंद होनी चाहिए। अब कुल्ला कर दें और इस प्रक्रिया को दो से 3 बार दोहराएं।

त्रिफला वॉटर का उपयोग करें

त्रिफला वॉटर आई वॉश आंखों के स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। यह न केवल आपके आंखों की रोशनी बढ़ाता है, बल्कि आंखों की चमक में भी सुधार करता है। खासतौर से थकी हुई आंखों को आराम देने का यह बेहतरीन तरीका है।

स्वस्थ आंखों के लिए षटकर्म करें

आयुर्वेद में शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने ,उसे मजबूत बनाने और रोगमुक्त बनाने के लिए 6 प्यूरीफिकेशन टेकनीक के बारे में बताया गया है। इनमें से नेती और त्राटक सूखी आंखों और आंखों के स्वास्थ्य के लिए सबसे अच्छे आयुर्वेदिक उपाय के रूप में काम करते हैं। बता दें कि त्राटक षटकर्म आंख का व्यायाम है जिसमें किसी भी बिंदु पर आंखों को स्थिर करके निरंतर देखना होता है।

बरतें ये सावधानियां

- आंखों की देखभाल के दौरान कभी भी बहुत तेज गर्म या फिर बर्फ के पानी का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।
- अचानक तापमान में हुए परिवर्तन से बचने का प्रयास करें।
- अगर आपका शरीर गर्म हो रहा है या आप पसीने से तर हैं, तो अपने चेहरे और आंखों पर पानी के छीटें मारने से पहले 10 मिनट तक इंतजार करें। जब तक आपकी बॉडी सही तापमान में एडजस्ट न हो जाए, छीटें मारने से बचें।
- सुबह-शाम चेहरे पर पानी के छीटे मारें
- 10-15 बार अपनी आंखों और चेहरे पर ठंडे या फिर नॉर्मल पानी के छीटें मारें। इस प्रक्रिया को आप तब भी दोहराएं , जब शाम को काम से वापस घर लौटें। ऐसा करने से आंखों को बहुत आराम मिलेगा।

स्वस्थ आंखों के लिए फायदेमंद है अंजन

स्वस्थ आंखों के लिए अंजन का उपयोग बहुत फायदेमंद है। अंजना एक आयुर्वेदिक दवा है, जिसे आंखों के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए पलकों के अंदरूनी हिस्से पर लगाते हैं। बता दें कि अंजना जड़ी-बूटियों से बना एक गाढ़ा आईलाइनर है। इसे कोलिरिसम भी कहते हैं। इसका उपयोग आंखों की रोशनी बढ़ाने और आंख से जुड़ी अन्य बीमारियों के लिए किया जाता है। हालांकि, यह काजल की तरह दिखता है, लेकिन इससे काफी अलग है। इसे मिनरल्स और जड़ी- बूटियों को पीसकर पेस्ट के रूप में तैयार किया जाता है। आंखों की रोशनी को बढ़ाने के लिए इनकी देखभाल करना बेहद जरूरी है। उम्मीद है यहां एक्सपर्ट द्वारा बताए गए तरीकों से आपको आंखों की सही देखभाल करने में मदद मिलेगी।

वायु प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से पड़ता है सेहत पर बुरा असर

वायु प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से हमारी सेहत पर बहुत बुरा असर पड़ता है। लेकिन कई दफा हम इसे नजरअंदाज करते हैं। शोध में पता चला है कि ये दोनों पर्यावरण हार्ट फेलियर का भी एक कारण हैं।

देश में दिवाली आने वाली है और इस माह में लोगों द्वारा की जाने वाली आतिशबाजी के कारण वायु प्रदूषण काफी ज्यादा बढ़ जाता है और स्मॉग का रूप ले लेता है। इस तरह के पॉल्युटिड स्मॉग में धूल और वायु प्रदूषक जैसे नाइट्रोजन ऑक्साइड, सल्फर डाई आक्साइड, ज्वलनशील कार्बनिक यौगिक आदि हानिकारक मिश्रण रहते हैं। जो खांसी, गले में खराश, छाती में जलन, स्किन डिजीज, फेफड़ों के संक्रमण, आंख व नाक में एलर्जी के अलावा इम्यून सिस्टम को भी कमजोर बनाते हैं। हाल ही में वायु प्रदूषण पर एक शोध आया है जिसमें चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। नए शोध के अनुसार, वायु प्रदूषण और सड़क यातायात के शोर के संपर्क में आने से हृदय गति रुकने का खतरा बढ़ सकता है। शोध का रिजल्ट अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के एक ओपन-एक्सेस जर्नल 'जर्नल ऑफ द अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन' में प्रकाशित किया गया था। इसलिए आपको वायु प्रदूषण से खुद को सेफ रखने की बहुत ज्यादा जरूरत है।

वायु प्रदूषण पर शोध

नए रिसर्च के विश्लेषण में शोधकर्ताओं ने 15 से 20 साल के पीरियड में लॉन्ग टर्म एनवायरनमेंट इंपैक्ट को लेकर हर्ट फेलियर की जांच की। डेनमार्क में महिला नर्सों पर हुए शोध में एयर पॉल्यूशन और रोड ट्रैफिक हर्ट फेलियर की मुख्य वजह पाया गया। बता दें कि शोध में जिन महिलाओं को लिया गया था उनकी उम्र 44 वर्ष और उससे अधिक थी। प्रतिभागियों को 1993 और 1999 में भर्ती किया गया था और जब उन्होंने नामांकन किया, तो हर महिला ने बॉडी मास इंडेक्स, लाइफस्टाइल फैक्टर जैसे धूम्रपान, शराब का सेवन, शारीरिक गतिविधि और आहार संबंधी आदतों के अलावा अपनी मेडिकल कंडीशन के बारे में भी पूरी जानकारी दी थी। इन सभी प्रतिभागियों को डेनिश नेशनल पेशेंट रजिस्टर से लिंक करने के 20 साल के बाद हार्ट फेलियर के बारे में पता चला जिनका बाद में इलाज भी हुआ और इसके रिकॉर्ड भी हैं।

दिल के लिए ज्यादा खतरनाक है वायु प्रदूषण

डेनमार्क स्थिति कोपेहेगन यूनिवर्सिटी के एनवायरनमेंट डिपार्टमेंट से जुड़े असिस्टेंट प्रोफेसर और शोध को लीड करने वाले ऑथर ने कहा कि स्टडी में पाया गया है कि तीन वर्षों में रोड ट्रैफिक का शोर 12 फीसदी हार्ट फेलियर के खतरे का कारण बना। उन्होंने आगे कहा, हम आश्चर्यचकित थे कि कैसे दो पर्यावरणीय कारक - वायु प्रदूषण और सड़क यातायात शोर ने एक साथ हृदय गति रुकने का जोखिम बढ़ा दिया है। शोध में पता चला है कि रोड ट्रैफिक की तुलना में एयर पॉल्युशन हर्ट फेलियर के खतरे की मजबूत वजह बना। हालांकि, इन हर्ट फेलियर वाली 30 प्रतिशत नर्सों में हाई ब्लड प्रेशर की भी समस्या थी।

सांस लेने में तकलीफ

वायु प्रदूषण की वजह से बुजर्ग लोगों को भी कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। एयर पॉल्युशन के कारण बुजुर्गों के शरीर के कई अंग धीमी गति से कार्य करते हैं और इसी तरह का हाल फेफड़ों का रहता है। क्योंकि लंग्स प्रदूषित हवा को सही तरीके से फिल्टर नहीं कर पाते हैं जिस वजह से उन्हें सांस लेने में दिक्कत आती है।

आंखों में परेशानी

वायु प्रदूषण के चलते कई बार बच्चों से लेकर बुजुर्गों की आंखों में भी दिक्कतें आती हैं। दूषिक हवा के कण हमारी आंखों में एलर्जी पैदा करने लगते है जिससे कई बार हमें आस-पास की चीजें साफ नहीं दिखती हैं। साथ ही धूल मिट्टी से आंखों में खुजली भी होती है।

सेहत संबंधी दिक्कतें

बुजुर्गों का इम्यून सिस्टम बहुत कमजोर होता है जिसकी वजह से उनको वायू प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से उनका दम घुटने लगता है। वे इस वातावरण को आसानी से हैंडल नहीं कर पाते। इसके चलते कई दफा, छींकआना, छाती में जलन, स्किन डिजीज, फेफड़ों के संक्रमण और गले में खराश जैसी कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

साइलेंट किलर है तनाव, इसे गंभीरता से लेना है बहुत जरूरी

मेंटल हेल्थ एक पुराना विषय रहा है, लेकिन अब कोरोना के बाद यह और ज्यादा घातक हो गया है। अब इसे गंभीरता से लेकर इस पर बात करना जरूरी है। कोरोना ने कई तरह के मानसिक रोगों को जन्म दिया है

आज के दौर में हर शख्स अपनी जिंदगी में स्ट्रेस से गुजरता है। स्ट्रेस को आजकल एक कॉमन परेशानी के रूप में देखा जाता है और यही सबसे बड़ी गलती है। 2020 में आए कोविड 19 ने सोशल और इकोनॉमिक तौर पर काफी बदलाव लाया है। लाखों लोगों ने अपनी जिंदगी गवां दी, यहां तक की एक दूसरे से मिलना-जुलना भी दूभर हो गया था। आज जहां 2021 में कोविड 19 को 2 साल हो गए हैं और आज भी मानव जाति इस विपदा से उबरने की कोशिश में है। कई देश आज भी इस वायरस के नए स्ट्रेन से लड़ रहे हैं। वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाइजेशन ने ये चेतावनी जारी की है कि कोरोनावायरस का मेंटल हेल्थ पर काफी लंबे समय तक असर होता रहेगा। आज लोगों में एंजाइटी, स्ट्रेस, डिप्रेशन जैसी कई समस्या बहुत हद तक बढ़ चुकी हैं। इस पैंडेमिक के दौरान मेंटल हेल्थ पर गहरा असर पड़ा है। 2020 में माइसेंसी द्वारा एक सर्वे के आधार पर ट्ट के 75 प्रतिशत और एशिया के 33 प्रतिशत एम्प्लॉय में बर्न आउट के लक्षण दिखे हैं। यूरोपियन देशों में भी पैंडेमिक फैटिग के लेवल में बढ़ोतरी हुई है।

जिन लोगों ने अपनी मेंटल हेल्थ को बहुत खराब रेट दिया है, उनकी मात्रा पैंडेमिक आने के बाद तीन गुना बढ़ गई है। ओरेकल और वर्क प्लेस इंटेलिजेंस जैसी कंपनियों द्वारा एक हालिया सर्वे जिसमें 11 देशों के 12000 लोगों ने भाग लिया ये दर्शाता है कि मैनेजमेंट एक्जीक्यूटिव में एम्प्लॉय के बदले ज्यादा मेंटल हेल्थ इश्यूज पाए गए हैं। 53% ने माना की उन्हें मेंटल हेल्थ इश्यूज पैंडेमिक के शुरू होते ही शुरू हो गए थे। इसी कड़ी में 5 में से 4 मैनेजमेंट एक्जीक्यूटिव यानी लगभग 85% ने माना कि उन्हें काम को पूरा करने में दिक्कत आई। इसके कुछ कारण हैं जैसे घर से काम करने के दौरान नई तकनीक को समझने और उसका उपयोग करने में परेशानी और दूसरा यह कि ऑफिस के माहौल से दूर साथ बैठकर काम करने और कोलेबरेट करने की जगह घर से काम करना।

क्या कहती है रिपोर्ट?

इस कड़ी में लगभग 39% लोगों को घर से वर्चुअली काम करने में दिक्कत आई। वहीं 34% को वर्क कल्चर के ना होने की कमी खली। वहीं 29% लोगों को नई तकनीकों को समझने में दिक्कत का सामना करना पड़ा। जहां एक तरफ कंपनी के सीनियर अधिकारी वर्कप्लेस पर मेंटल हेल्थ और हेल्थी वर्क कल्चर को बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं, वहीं आज भी मेंटल हेल्थ को एक स्टीरियोटाइप के तौर पर देखा जाता है। कंपनी में ओपन कम्युनिकेशन और सपोर्ट की कमी खलती है। कंपनी के लीडर को अपने स्टॉफ को न सिर्फ इंस्पायर करना चाहिए ताकि वे अपनी बात को खुलकर शेयर कर सकें, बल्कि उन्हें इंस्पायर भी करना चाहिए। जरूरत पड़ने पर वे कोच या थेरेपिस्ट से मदद भी ले सकें। विशेषज्ञ कहते हैं कि किसी भी तरह की हेल्थ प्रॉब्लम को इग्नौर नहीं करना है, अगर तनाव से संबंधी कोई भी लक्षण नजर आता है तो तत्काल डॉक्टर से मिलना है। इसे हल्के में बिल्कुल नहीं ले सकते।

जान भी ले सकती है लौकी

लौकी का सेवन करना सेहत के लिए बहुत अच्छा है। इसे कई प्रकार से खा सकते हैं। सब्जी, जूस, खीर, कलाकंद, पराठे सहित अन्य तरीकों से इसका सेवन किया जा सकता है। इसका सेवन करने से कब्ज और गैस की समस्या में राहत मितली है। इसमें विटामिन ए, विटामिन सी, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम,

कड़वी लौकी का सेवन करने से आपकी जान पर बात बन सकती

नौबत आ जाती है। इसलिए भूलकर भी कड़वी लौकी का सेवन नहीं करें। लौकी का जूस बनाने से पहले इसे जरूर टेस्ट करें। अगर वह कड़वी लगती है तो इसका सेवन नहीं करें। कड़वी विषैली लौकी का सेवन करने के नुकसान- बेचैनी, घबराहट, ब्लड प्रेशर की समस्या, उल्टी होने लगती है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। कई बार अंगों पर भी इसका असर पड़ सकता है। ऐसे में अंग फैल भी हो सकते हैं। इसलिए भूलकर भी लौकी को टेस्ट किए बिना इसका प्रयोग नहीं करें। कड़वी लौकी की पहचान उसे चखकर की जा सकती है। बता दें कि इसे पकाने पर भी कड़वापन खत्म नहीं होगा। कड़वी लगने

डिफेंस सिस्टम विकसित कर लेती है। जिससे उसमें केमिकल विकसित हो जाता है। तो कई बार तापमान कम ज्यादा होने पर भी यह बदलाव होने लगते हैं। इतना ही नहीं पर्याप्त पानी नहीं मिलने पर भी ऐसा हो सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

घाना में हैजा के नौ मामले सामने आए

अकरा, एजेंसी। घाना के दक्षिण-पूर्वी ग्रेटर अकरा क्षेत्र में हैजा के नौ मामले सामने आए हैं। घाना स्वास्थ्य सेवा (जीएचएस) ने बताया है कि उसे अडा ईस्ट और अडा वेस्ट जिलों से यह पुष्टि प्राप्त हुई है कि रोगियों के नमूने हैजा के लिए सकारात्मक पाए गए हैं। हैजा का पहला मामला अडा ईस्ट डिस्ट्रिक्ट में एक अंतिम संस्कार में भाग लेने के कुछ दिनों बाद उल्टी, दस्त और पेट दर्द जैसे लक्षणों के साथ सामने आया और उसको एक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया था। शिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, 11 अक्टूबर तक, अडा ईस्ट और वेस्ट जिलों में ऐसे 9 मामलों की पुष्टि हो चुकी थी। महामारी को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक उपाय किए गए हैं। इसमें कहा गया है कि संपर्क पहचान, ट्रेसिंग और फॉलो-अप के सभी कार्य चल रहे हैं, जिसमें दैनिक सक्रिय सामुदायिक मामलों की खोज भी शामिल है। जीएचएस ने लोगों से स्वच्छता प्रोटोकॉल का पालन करने और संक्रमण से बचने के लिए अच्छे से पके हुए भोजन का सेवन करने की सलाह दी है।

कनाडा को आरएसएस और भारतीय राजनयिकों से बढ़ा खतरा, जल्द लगे बैन- कनाडाई सिख नेता जगमीत सिंह

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के राष्ट्रीय पुलिस बल 'रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस द्वारा भारतीय राजनयिकों पर एक सिख अलगाववादी की हत्या में शामिल होने का आरोप लगाए जाने के एक दिन बाद मंगलवार को कनाडा के सिख नेता जगमीत सिंह ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय राजनयिकों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की। सिंह 'न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) के नेता हैं, जिसने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की सत्तारूढ़ सरकार का पूर्व में समर्थन किया था। भारत ने सिख अलगाववादी नेता की हत्या के मामले में कनाडा के आरोपों से इनकार किया है और कहा है कि कनाडा आतंकवादी समूहों को पनाह दे रहा है तथा अलगाववादी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहा है। एनडीपी नेता जगमीत सिंह खालिस्तान समर्थक रुख के लिए जाने जाते हैं। सिंह ने ओटावा में एक संवाददाता सम्मेलन में सार्वजनिक सुरक्षा समिति के साथ आपातकालीन बैठक का अनुरोध किया ताकि यह बेहतर ढंग से समझा जा सके कि क्या वे कनाडाई लोगों की सुरक्षा के लिए कोई और कदम उठा सकते हैं। सिंह ने कहा, ''हम मांग करते हैं कि 'लिबरल पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार भारतीय राजनयिकों पर कड़े प्रतिबंध लगाए और भारत के हिंसक, उग्रवादी, आतंकवादी भारतीय संगठन आरएसएस को बाहर निकाले, जो कनाडा और अन्य देशों में भी सक्रिय है। उन्होंने कहा, ''ये बहुत गंभीर आरोप हैं। यही बात सामने आई है कि भारत सरकार, विशेष कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार कनाडा में राजनयिकों के माध्यम से आपराधिक तत्वों से जुड़ी हुई है जिन्होंने कनाडावासियों के घरों पर गोलीबारी की, कनाडाई लोगों के कारोबारी प्रतिष्ठानों पर गोलीबारी की, कनाडाई लोगों की हत्या की। यह बहुत गंभीर है।

हैरिस ने चुनाव प्रचार के दौरान अश्वेत लोगों से भेदभाव का मुद्दा उठाया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति पद का चुनाव करीब आने के मद्देनजर हैरिस ने अश्वेत पुरुषों में जोश भरने का काम किया जबकि ट्रंप ने जॉर्जिया में 'फॉक्स न्यूज' के एक कार्यक्रम में महिलाओं पर ध्यान केंद्रित किया। डेमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस ने भेदभावपूर्ण प्रवर्तन नीतियों से निपटने के लिए कानून लाने पर जोर देते हुए मंगलवार को आग्रह किया कि रिपब्लिकन पार्टी के प्रत्याशी डोनाल्ड ट्रंप कठोर पुलिसिंग हथकंडों को ''संस्थागत'' बनाने की कोशिश करेंगे जिसका देशभर में अश्वेत पुरुषों पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। रेडियो कार्यक्रम 'द ब्रेकफास्ट क्लब' के मेजबान चार्लामेन्गे ने से बातचीत में हैरिस ने कहा कि वह मारिजुआना को अपराध की श्रेणी से बाहर करने के लिए काम करेंगी जिसके कारण सबसे ज्यादा अश्वेत लोगों की गिरफ्तारियां होती हैं। साथ ही उन्होंने माना कि अश्वेत लोगों से रोजमर्रा की जिंदगी में नस्लीय भेदभाव किया जाता है। अमेरिकी राष्ट्रपति पद का चुनाव करीब आने के मद्देनजर हैरिस ने अश्वेत पुरुषों में जोश भरने का काम किया जबकि ट्रंप ने जॉर्जिया में 'फॉक्स न्यूज' के एक कार्यक्रम में महिलाओं पर ध्यान केंद्रित किया। इस साल राष्ट्रपति पद के चुनाव में अंतिम वोट डाले जाने से ठीक 21 दिन पहले, हैरिस और ट्रंप उन प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाताओं में जोश भरने की कोशिश कर रहे हैं जहां मुकाबला कड़ा लग रहा है। वह महिलाओं को लुभाने की कोशिश कर रहे हैं जबकि ट्रंप अश्वेत पुरुषों के मुद्दों पर नरमी दिखा रहे हैं जिन्होंने अतीत में डेमोक्रेटिक पार्टी का भारी समर्थन किया है।

भारत-कनाडा विवाद में अमेरिका बोला- भारत सहयोग नहीं कर रहा, जांच में मदद करे

वाशिंगटन, एजेंसी। सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मुद्दे को लेकर भारत और कनाडा के बीच कूटनीतिक विवाद मंगलवार को और गहरा गया। कनाडा ने भारत के खिलाफ संभावित प्रतिबंधों का संकेत दिया वहीं, भारत ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। इस पूरे विवाद में अब अमेरिका भी कूद गया है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कनाडा के आरोपों को गंभीर बताया और कहा कि भारत को कनाडा के साथ इसकी जांच में सहयोग करना चाहिए।

अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने संवाददाताओं से कहा, जहां तक कनाडा के आरोपों की बात है, तो हमने स्पष्ट कर दिया है कि आरोप बेहद गंभीर हैं और उन्हें गंभीरता से लेने की जरूरत है। हम चाहते हैं कि भारत सरकार कनाडा के साथ इसकी जांच में सहयोग करे। उन्होंने आगे कहा भारत ने इस मसले में एक वैकल्पिक रास्ता चुना है। गौरतलब है कि हरदीप सिंह निज्जर हत्याकांड को लेकर कनाडा के गंभीर आरोपों के बाद भारत ने सोमवार को कनाडाई राजदूतों को 19 अक्टूबर तक देश छोड़ने के आदेश दिए। साथ ही निज्जर की हत्या की जांच से अपने राजनयिक को जोड़ने के कनाडा के आरोपों को खारिज करते हुए वहां से अपने उच्चायुक्त को वापस बुलाने की घोषणा की।

भारत ने कनाडा में आपराधिक गिरोहों से भारतीय एजेंटों को जोड़ने के कनाडाई अधिकारियों के प्रयासों को पुरजोर तरीके से खारिज किया। आधिकारिक सूत्रों ने कहा है कि कनाडा का यह दावा सच नहीं है कि उसने निज्जर मामले में भारत के साथ साक्ष्य साझा किए थे। वहीं, दोनों देशों में तनाव बढ़ने के बीच कनाडा की विदेश मंत्री मेलानी जोली ने कहा कि भारत के खिलाफ पाबंदी लगाने की संभावना बनी हुई है और हमारे पास ''सभी विकल्प विचाराधीन हैं।

3 दिन में भारत-कनाडा के बीच क्या-क्या हुआ : 13 अक्टूबर- कनाडा ने भारत को एक चिट्ठी भेजी। इसमें कहा कि भारतीय हाई-कमिश्नर संजय कुमार वर्मा और दूसरे डिप्लोमैट्स एक मामले में संदिग्ध हैं। कनाडा ने मामले की जानकारी नहीं दी, पर इसे निज्जर मामले से जोड़कर देखा गया। 14 अक्टूबर- भारत ने अपने डिप्लोमैट्स को संदिग्ध बताए जाने पर विरोध जताया और कनाडा के राजदूत को तलब किया। कुछ ही घंटों बाद भारत ने संजय कुमार वर्मा और दूसरे डिप्लोमैट्स को वापस बुला लिया। देर रात खबर आई की कनाडा ने भी भारत से अपने 6 राजदूतों को वापस आने का आदेश दिया है। 15 अक्टूबर- कनाडा के प्रधानमंत्री ने निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंट्स के सीधे तौर पर शामिल होने का आरोप लगाया। दावा- अमित शाह के इशारे पर खालिस्तानियों पर हमला हुआ अमेरिकी मीडिया हाउस वॉशिंगटन पोस्ट ने दावा किया है कि गृह मंत्री अमित शाह और रॉ एजेंसी ने मिलकर कनाडा में खुफिया जानकारी इकठ्ठा करने और खालिस्तानी आतंकियों पर हमले की इजाजत दी थी। वॉशिंगटन पोस्ट ने एक कनाडाई अधिकारी के हवाले से बताया कि भारतीय डिप्लोमैट्स कई लोगों पर कनाडा जाने की इजाजत के बदले खुफिया जानकारी देने का दबाव बनाते थे। इस काम का नेतृत्व कनाडा में भारत के हाई कमिश्नर संजय वर्मा करते थे। रिपोर्ट के मुताबिक 12 अक्टूबर को कनाडा के एनएसए ने भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को एक मीटिंग में इसकी जानकारी भी दी थी।

यूक्रेनी सेना में भर्ती के लिए छापेमारी-बार, रेस्टोरेंट से लेकर शादी समारोह तक में रेड

कीव, एजेंसी। सैनिकों की कमी से जूझ रही यूक्रेनी सेना अब शादी समारोह, नाइट क्लब, बार, रेस्टोरेंट और कॉन्सर्ट हॉल जैसी जगहों पर छापे मार रही है। दरअसल, यूक्रेन ने जंग की शुरुआत के बाद से ही पुरुषों के लिए सेना में शामिल होना अनिवार्य कर दिया था। इसके लिए इस साल अप्रैल में युवाओं से पंजीयन कराने के लिए कहा गया था। इस आदेश के बाद से यूक्रेन के युवा सेना में शामिल होने से बचने की कोशिशों में लगे हुए हैं। यूक्रेन फरवरी 2022 से रूस के साथ जंग लड़ रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस जंग में यूक्रेन करीब 80 हजार सैनिकों की मौत हो चुकी है। इस वजह से सैनिकों की कमी हो गई, जिसके चलते यूक्रेन नए सैनिकों की भर्ती कर रहा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की का कहना है कि सेना में कम से कम 5 लाख युवाओं की भर्ती करने की जरूरत है। राजधानी कीव में सेना के लिए पंजीयन नहीं कराने वाले युवाओं की पहचान के लिए सेना के छापे आम हो गए हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार सेना का ये अभियान मुख्य रूप से युवाओं के सैन्य पंजीकरण दस्तावेजों की जांच और नियमों का उल्लंघन करने वालों को गिरफ्तार करने के लिए है।

गाजा में पोलियो टीकाकरण अभियान का दूसरा दौर शुरू, करीब 6 लाख बच्चों को दी जाएगी खुराक, संयुक्त राष्ट्र

वाशिंगटन, एजेंसी। इजरायली हमलों में तबाह हो चुके गाजा में पोलियो टीकाकरण अभियान का दूसरा चरण शुरू हो गया है। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय कार्यकर्ताओं ने बताया कि अभियान गाजा पट्टी के मध्य क्षेत्र में शुरू हुआ। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) ने सोमवार को कहा कि दो सप्ताह से भी कम समय में, यूएनआरडब्ल्यूए (फिलिस्तीनियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत एजेंसी), विश्व स्वास्थ्य संगठन और संयुक्त राष्ट्र बाल कोष का लक्ष्य 10 वर्ष से कम आयु के लगभग 5,90,000 बच्चों को नोवल ओरल पोलियो वैक्सीनेशन की दूसरी खुराक देना है। टीकाकरण का पहला चरण 1 से 12 सितंबर तक लागू किया गया था, जिसमें 5,59,000 से अधिक बच्चों तक पहुंचा गया। पहले दौर की तरह, दूसरे दौर में भी तीन चरण होंगे, जिनमें से प्रत्येक में तीन अभियान दिवस और एक कैच-अप दिवस शामिल होगा। गाजा में अल अक्सा अस्पताल के पास विस्थापित लोगों के टेंटों पर रविवार रात को इजरायली हमले पर प्रतिक्रिया देते हुए, संयुक्त राष्ट्र के कार्यवाहक अवर महासचिव जॉयस मसूया ने कहा कि फिलिस्तीनियों को जो परेशानियां झेलनी पड़ रही है, उसका कोई अंत नहीं है। एक बयान में, मसूया ने कहा कि गाजा में लोगों के लिए वास्तव में कोई सुरक्षित स्थान नहीं है। उन्होंने अत्याचारों को समाप्त करने, नागरिकों और सिविलियन इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा की मांग की। बता दें इस हमले में कई लोगों की जलकर मौत हो गई, जबकि महिलाओं और बच्चों सहित कई अन्य लोग गंभीर रूप से झुलस गए। इससे कुछ घंटे पहले नुसेरात में एक स्कूल में बने शेल्टर पर हमला हुआ था, जिसमें कथित तौर पर 20 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे।

ऑस्ट्रेलियाई सरकार की ट्रेवल एडवाइजरी - छोड़ दें इजरायल

कैनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया सरकार ने इजरायल और फिलिस्तीन के लिए अपनी ट्रेवल एडवाइजरी को अपग्रेड किया है। लोगों से कहा गया कि वे इस क्षेत्र की यात्रा न करें। इसके साथ ही इजरायल में मौजूद ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों से देश छोड़ने अपील की गई। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, विदेश मामलों और व्यापार विभाग ने सोमवार रात को इजरायल और कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्रों के लिए आधिकारिक ट्रेवल एडवाइजरी में बदलाव कर उसे उच्चतम चेतावनी स्तर पर पहुंचा दिया। सरकार की स्मार्टट्रैवलर सर्विस के जरिए भेजे गए अपडेट में, विभाग ने कहा कि अब वह ऑस्ट्रेलिया के लोगों को अस्थिर सुरक्षा स्थिति, सशस्त्र संघर्ष, नागरिक अशांति और आतंकवाद के कारण दोनों क्षेत्रों में यात्रा न करने की सलाह देता है। अपडेट में कहा गया, यदि आप इजरायल में हैं, तो आपको कमर्शियल फ्लाइट्स उपलब्ध रहने, सीमा पार करने के रास्ते खुले रहने और ऐसा करना सुरक्षित होने तक वहां से चले जाना चाहिए। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक बयान में, विदेश मंत्री पेनी वोंग ने कहा कि सरकार को इस बात की गंभीर चिंता है कि इजरायल और कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्रों में सुरक्षा की स्थिति तेजी से बिगड़ सकती है। विभाग ने ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों और क्षेत्र में स्थायी निवासियों को क्राइसिस रजिस्टर्ड पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करने की सलाह दी।

अमेरिका का दुश्मनों से ज्यादा सहयोगियों ने फायदा उठाया, चुनाव से पहले यूरोपीय संघ पर ट्रंप ने कसा तंज

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में अगले महीने राष्ट्रपति चुनाव होने वाला है। इस चुनाव को लेकर रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी की कमला हैरिस के बीच कांटे की टक्कर है। इस बीच ट्रंप ने ट्रंप ने अमेरिका के सहयोगी देशों को लेकर एक टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि अमेरिका के दुश्मनों से ज्यादा उसके सहयोगियों ने इसका फायदा उठाया है। सहयोगी से उनका मतलब यूरोपीय संघ से है।

ट्रंप ने कहा, हमारे दुश्मनों से ज्यादा सहयोगियों ने हमारा फायदा उठाया। हमारे सहयोगी यूरोपीय संघ है। यूरोपीय संघ के साथ हमारा व्यापार घाटा 300 अरब अमेरिकी डॉलर का है। उन्होंने आगे कहा, हमारे बीच व्यापार सौदे इतने खराब थे कि मैंने पूछा कि वे कौन हैं, जो ऐसा कर रहे हैं। या तो वे बहुत मूर्ख है या फिर उन्हें इसके लिए भुगतान मिल रहा है। ट्रंप ने कहा, मैंने चीन पर 27.5 प्रतिशत का टैरिफ लगाया। अगर ऐसा नहीं करता तो हम चीनी कारों से भर जाते। हमारी सभी फैक्टरियां बंद हो जाती। ऑटो इंडस्ट्री में हमारे पास नौकरी नहीं होती। यह बिजली पर निर्भर करती है, जैसा कि मैंने समझाया। मैंने दक्षिण कोरिया पर टैरिफ लगाया, क्योंकि वे ट्रक से इसे भेज रहे थे। रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार ने आगे कहा, क्या आप जानते हैं कि हमारी कार कंपनियां छोटे ट्रक और एसयूवी से पैसा कमाती है। अगर मैंने टैरिफ हटा दिए तो आप परेशान हो जाएंगे। प्रत्येक कार कंपनी व्यवसाय से बाहर हो जाएगी। पुतिन के साथ अपने संबंधों का किया

बचाव रूस को लेकर सवाल किए जाने पर डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को लेकर अपने संबंधों का बचाव किया। टैरिफ पर उन्होंने कहा कि भारत एक मजबूत देश है। ट्रंप ने कहा, भारत एक मजबूत देश है। यह केवल चीन नहीं है। मैं कहना चाहूंगा कि चीन बहुत मजबूत देश है। क्या आपको मालूम है कि सबसे कठिन क्या है? यूरोपीय संघ, हमारे खूबसूरत और अद्भुत यूरोपीय देश। अगर आप इन्हें एकसाथ कर लें तो यह बिलकुल हमारे आकार के हैं। वे हमारे साथ बहुत बुरा व्यवहार करते हैं। ट्रंप ने कहा, हम कंपनियों को वापस लाएंगे। हम उन कंपनियों के लिए टैक्स को और कम करने जा रहे हैं जो अमेरिका में अपना उत्पाद बनाने जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि वे इन कंपनियों को मजबूत टैरिफ से बचाने जा रहे हैं, क्योंकि वे टैरिफ में विश्वास रखते हैं।

रूस को मदद का आरोप, यूरोप जाने वाली ईरान की इकलौती फ्लाइट पर लगा ब्रेक : मास्को, एजेंसी। ईरान के इजराइल पर हमला करने के बाद से पश्चिमी देश भड़के हुए हैं। इस हमले के बाद अमेरिका और यूरोपीय यूनियन ने ईरान पर लगे प्रतिबंधों का दायरा और बढ़ा दिया है। जिसके बाद ईरान बाहरी दुनिया से और ज्यादा कट गया है। इसके अलावा ये प्रतिबंध यूक्रेन के खिलाफ रूस को मिसाइल देने के आरोप में भी लगाए जा रहे हैं। ईरानी अधिकारियों ने मंगलवार को जानकारी दी कि यूरोपीय संघ के देशों को जाने वाली एकमात्र ईरानी एयरलाइन 'ईरान एयर' ने यूरोपीय संघ की ओर से लगाए गए नए प्रतिबंधों के बाद यूरोप के लिए अपनी सेवाएं निलंबित कर दी हैं। ईरानी एयरलाइंस एसोसिएशन के डायरेक्टर मकसूद असादी समानी ने कहा, ईरान एयर ईरान देश की एकमात्र एयरलाइन थी जो यूरोप के लिए उड़ान भरती थी और ईरान एयर के खिलाफ यूरोपीय संघ के नए प्रतिबंधों को देखते हुए, अब एक भी ईरानी फ्लाइट यूरोप नहीं जा पाएगी।

भारत से लौटते ही मुइज्जू ने बदल डाली सरकार! 7 मंत्रियों-43 उपमंत्रियों को हटाया

माले, एजेंसी। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने भारत से लौटने के बाद अपनी सरकार में बड़ा फेरबदल किया है। भारत से आर्थिक पैकेज लेकर लौटते ही मुइज्जू ने अपनी सरकार के सात राज्य मंत्री, 43 उपमंत्री, 109 वरिष्ठ राजनीतिक निदेशक और 69 राजनीतिक निदेशकों को बाहर का रास्ता दिखा दिया। उनका मानना है कि इससे सरकारी खजाने में बड़ी बचत होगी। इसके पीछे मकसद सरकारी खर्च कम करना है। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने मंगलवार को राजकोषीय और बाहरी असंतुलन को दूर करने, निवेशकों का विश्वास बनाने और मध्यम अवधि में ऋण को कम करने के लिए प्रमुख लागत-कटौती सुधार की घोषणा की। राष्ट्रपति के आधिकारिक एक्स अकाउंट के माध्यम से इस निर्णय को जनता के साथ साझा किया। मुइज्जू ने एक्स पर लिखा, आर्थिक सुधार एजेंडे के भाग के रूप में,

प्रत्यक्ष लागत-कटौती उपाय के रूप में मैंने आज अगले 15 दिनों के भीतर विभिन्न सरकारी मंत्रालयों से 228 राजनीतिक नियुक्तियों को हटाने का निर्देश दिया है। इसमें 7 राज्य मंत्री, 43 उप मंत्री, 109 वरिष्ठ राजनीतिक निदेशक और 69 राजनीतिक निदेशक शामिल हैं। इससे सरकारी बजट से प्रति माह 51714 मिलियन आरएफ की बचत होगी। तब भारत ने दिया था बड़ा पैकेज वर्ल्ड बैंक ने हाल ही में कहा था कि मालदीव की आर्थिक हालत काफी तेजी से खराब हो रही है। वहां की अर्थव्यवस्था कई तरह की चुनौतियों का सामना कर रही है। ऐसे में मालदीव को तुरंत आर्थिक सुधारों की जरूरत है। इसी के बाद मुइज्जू भारत आए और आर्थिक पैकेज की मांग की। भारत ने उन्हें 400 मिलियन डॉलर का पैकेज दिया है। भारत से लौटने के बाद मुइज्जू आर्थिक हालात को सुधारने के लिए लगातार कड़े फैसले ले रहे हैं। सरकारी मंत्रालयों, राष्ट्रपति कार्यालय, राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति निवास में काम करने वालों की संख्या में कटौती की गई है। कर्ज के बोझ तले डूबा मालदीव मालदीव बजट घाटे और कर्ज के बोझ से जूझ रहा है। विदेशी मुद्रा भंडार 440 मिलियन डॉलर तक गिर जाने के कारण उसे कर्ज चुकाने में दिक्कत हो रही है। पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन के कार्यकाल के दौरान मालदीव ने चीन से भारी उधार लिया था। अभी भी चीन का मालदीव पर 1137 बिलियन डॉलर बकाया है। मालदीव को पता है कि उसे सिर्फ भारत ही इस मामले में मदद कर सकता है।

हिजबुल्ला ने इस्राइल पर दागे 50 से ज्यादा रॉकेट; अमेरिका ने दी हथियारों की सप्लाई रोकने की धमकी

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइली सेना ने कहा है कि लेबनान की तरफ से बीती रात उनके साफेद इलाके में 50 से ज्यादा रॉकेट्स दागे। हालांकि इन हमलों में किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं है। इस्राइली सेना ने बताया कि देर रात करीब 1.40 बजे के करीब लेबनान की तरफ से हमला हुआ। हालांकि अधिकतर रॉकेट को इस्राइल की हवाई सुरक्षा द्वारा हवा में ही तबाह कर दिया गया। कुछ रॉकेट रिहायशी इलाकों में गिरे, लेकिन उनसे भी कुछ खास नुकसान नहीं हुआ। हिजबुल्ला ने एक बयान जारी कर इस हमले की जिम्मेदारी ली है।

आतंकी हमले में एक पुलिसकर्मी की मौत : इस्राइल के तटीय शहर अशोद में मंगलवार को हुए एक आतंकी हमले में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई और चार अन्य लोग घायल हो गए। दरअसल मंगलवार को एक आतंकी ने लोगों पर अचानक गोलीबारी शुरू कर दी। इस गोलीबारी में फर्स्ट सार्जेंट आदिर कदोश (33) गंभीर रूप से घायल हो गए और अस्पताल ले जाते हुए उनकी मौत हो गई। आतंकी की पहचान 28 साल के मोहम्मद दारदौना के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि आतंकी गाजा के जाबालिया का निवासी था और फिलहाल वेस्ट बैंक में रह रहा था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आरोपी पैदल ही इस्राइली इलाके में दाखिल हुआ और जब पुलिस ने उसे देखकर रुकने का इशारा किया तो उसने पुलिस पर फायरिंग कर दी।

एक एंबुलेंस ड्राइवर ने आतंकी को गोली मार दी।

अमेरिका ने इस्राइल को दी चेतावनी : व्हाइट हाउस ने इस्राइल को चेतावनी दी है कि अगर एक महीने में गाजा में मानवीय मदद को बेहतर नहीं किया गया तो वह इस्राइल को हथियारों की सप्लाई रोक देंगे। अमेरिका ने कहा कि हाल के महीनों में गाजा में भेजी जा रही मानवीय मदद में कमी आई है। इस्राइली मीडिया के अनुसार, अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने इस्राइल की सरकार को एक चिट्ठी लिखी है, जिसमें बीते कुछ महीनों में गाजा पट्टी में भेजी जा रही राहत सामग्री में कमी को लेकर नाराजगी जताई गई है।

बिलावल भुट्टो ने की भारत-पाकिस्तान वार्ता की वकालत

इस्लामाबाद, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए इन दिनों पाकिस्तान की यात्रा पर हैं। इस बीच पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने भारत के साथ द्विपक्षीय वार्ता की वकालत की है। भारत ने इस्लामाबाद में चल रहे एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान ऐसी किसी संभावना से इनकार किया है। एआरवाई न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष ने दोनों देशों से एससीओ बैठक के दौरान बातचीत करने का आग्रह किया है।

उन्होंने सवाल किया, इतना कठोर क्यों होना चाहिए? दोनों देशों को शिखर सम्मेलन के दौरान द्विपक्षीय वार्ता करने के बारे में सोचना चाहिए। आज हो या कल, दोनों देशों को जल्द द्विपक्षीय वार्ता फिर से शुरू करनी होगी। आपको बता दें कि भारत ने पाकिस्तान द्वारा सीमा पार आतंकवाद की समस्या को हल किए बिना किसी भी तरह की वार्ता से साफ इनकार कर दिया है।

मंगलवार को पाकिस्तान के पूर्व अंतरिम प्रधानमंत्री अनवार-उल-हक काकर ने कहा कि भारत के साथ अपने संबंधों में सुधार देखने के लिए पाकिस्तान में गहरी इच्छा है। काकर ने कहा कि पाकिस्तान की सेना, राजनीतिक दल और देश के कई अन्य वर्ग नई दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच संबंधों में आगे की गति चाहते हैं। हालांकि, इसकी जमीनी हकीकत का एहसास भी जरूरी है। भारतीय मीडिया के द्वारा पूछे गए एक सवाल

का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि द्विपक्षीय संबंधों में कोई सफलता मिलने की कोई उम्मीद है।

उनसे पूछा गया कि अगर पाकिस्तान द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाना चाहता है तो उसने दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच बैठक का प्रस्ताव क्यों नहीं रखा। इसके जवाब में काकर ने कहा कि अगर ऐसा कोई कदम उठाया जाता है तो पाकिस्तान के विपक्षी दलों की आलोचना का सामना करने से भी आशंकित है। उन्होंने कहा कि अगर वर्तमान राजनीतिक माहौल में कोई भी एक इंच भी पीछे हटता है, तो उसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। काकर ने पाकिस्तान और भारत के बीच संबंधों में सुधार की जोरदार वकालत करते हुए कहा कि दोनों पक्षों को इसके लिए तरीके खोजने चाहिए। आपको बता दें कि विदेश मंत्री एस जयशंकर बुधवार को एससीओ काउंसिल ऑफ हेड्स ऑफ गवर्नमेंट (सीएचजी) शिखर सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे।

भारत-पाकिस्तान के संबंध : भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध तब गंभीर तनाव में आ गए थे जब फरवरी 2019 में पुलवामा आतंकी हमले के जवाब में भारत के लड़ाकू विमानों ने पाकिस्तान के बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादी प्रशिक्षण शिविर पर हमला किया था। 5 अगस्त 2019 को भारत द्वारा जम्मू-कश्मीर की विशेष शक्तियों को वापस लेने और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने की घोषणा के बाद संबंध और भी खराब हो गए।

मध्यप्रदेश के बेटी निकिता ने जीता फेमिना मिस इंडिया 2024 का खिताब

भोपाल। मध्य प्रदेश की निकिता पोरवाल ने फेमिना मिस इंडिया 2024 का खिताब जीता लिया है। दूसरे स्थान पर रेखा पांडे और तीसरे स्थान पर गुजरात की आयुषी ढोलकिया रहीं। 18 साल की निकिता ने अपने करियर की शुरुआत टीवी एंकर के रूप में की थी। उन्हें पिछले साल की विजेता नंदिनी गुप्ता ने ताज पहनाया, और नेहा धूपिया ने मिस इंडिया का सैश दिया। निकिता ने राजस्थान की नंदिनी की जगह ली, जिन्होंने 2023 में फेमिना मिस इंडिया का खिताब जीता था।

भीषण सड़क हादसे में दो दुधमुंही बच्चियों समेत चार की मौत, चार घायल

मथुरा। यूपी के मथुरा जिले के कोसीकलां क्षेत्र में गुरुवार सुबह हुये एक सड़क हादसे में दो दुधमुंही बच्चियों समेत चार लोगों की मौत हो गई जबकि चार अन्य घायल हो गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर गहरा दुख जताते हुये घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिये हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेष कुमार पाण्डे ने बताया कि हरियाणा के पलवल जिले के होडल कस्बे की ओर जा रही पिकप गाड़ी कोसी शेरगढ़ मार्ग पर नगला सातबिसा के पास एक बिजली के खंभे से टकरा गई जिससे बिजली का तार टूट गया। इससे घबड़ाकर सभी अपने बच्चों को लेकर पिकप के नीचे कूद पड़े। इसी बीच पिकप चालक ने दुर्घटना बचाने के लिए गाड़ी को पीछे की ओर चला दिया जिससे आठ लोग मैक्स पिकप से घायल हो गए तथा कुछ समय बाद चार की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि हादसे में गौरीदेवी (35), कोमल (2), कुंतीदेवी (28), प्रियंका (2) की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि घायल काजल (17), जीरा (19), माना (21), गगन (3) को गंभीर हालत में सीएचसी कोसीकलां में भर्ती कराया जहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी को जिला अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार सभी हताहत बिहार के गया जिले से रेलगाड़ी से चलकर अलीगढ़ तक आए थे। वे किराये की एक मैक्स पिकप गाड़ी कर होडल जिला पलवल, हरियाणा के एक भट्ठे में मजदूरी करने के लिए जा रहे थे।

दिल्ली-एनसीआर समेत पूरे उत्तर भारत में पड़ने लगी हल्की ठंड, दक्षिण भारत के कई राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर समेत पूरे उत्तर भारत में हल्की ठंड का अहसास होने लगा है। दिल्ली और उसके आसपास के इलाकों में दिन में तेज धूप और शाम होने के साथ ही हल्की-हल्की ठंड का अहसास होने लगा है। वहीं यूपी, बिहार, उत्तराखंड, हरियाणा और पंजाब में सुबह-शाम ठंड पड़ने लगी है और हल्की धुंध भी छाने लगी है। हालांकि पंखे अभी भी चल रहे हैं। मौसम विभाग का कहना है कि अगले हफ्ते दिन के तापमान में और गिरावट आएगी। गुरुवार को दिल्ली समेत उत्तर भारत में मौसम सामान्य रहेगा। सुबह-शाम ठंड का अहसास होगा। दिल्ली में 17 से 21 अक्टूबर तक अधिकतम तापमान 33 से 34 डिग्री और न्यूनतम तापमान 16 से 17 डिग्री के आसपास रहेगा। वहीं दक्षिण भारत में बारिश का दौर जारी है। दक्षिण भारत के तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में अभी भी कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने कई राज्यों के लिए बारिश का अलर्ट जारी किया है। इसमें आंध्र प्रदेश के अलावा बेंगलुरु और चेन्नई जैसे महानगर शामिल हैं। तमिलनाडु में चेन्नई समेत अन्य जगहों पर भारी बारिश से जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया है। कॉलोनियों से लेकर सड़कों तक पानी भर गया है। सड़क से लेकर ट्रेन और हवाई यातायात व्यवस्था चरमरा गई हैं। कई ट्रेनें और उड़ानें रद्द करनी पड़ी हैं। मौसम विभाग ने अगले दो दिन राज्य में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। गुरुवार को भी रानीपेट और वेल्लोर समेत अन्य उत्तरी जिलों में भी बारिश हो हो सकती है। चेन्नई और उसके पड़ोसी जिलों में गुरुवार को भारी बारिश की संभावना है।

नशे के कारोबार पर हुए चौंकाने वाले खुलासे,मिली भगत से 7 राज्यों में फैला नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली और गुजरात से 13 हजार करोड़ रुपये की ड्रग्स पकड़े जाने के बाद जो खुलासे हो रहे हैं वो चौंकाने वाले हैं। आरोपियों से पूछताछ और जांच एजेंसियों की जांच में जो भी सामने आ रहा है वो काफी डरावना है। बताया जा रहा है कि इस नशे के कारोबार में ऐसे ऐसे दिग्गजों का संरक्षण है जिनकी कल्पना नहीं की जा सकती है। तस्करों का नेटवर्क दिल्ली, पंजाब, कश्मीर, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और आंध प्रदेश तक फैला था। 'भारत की बर्बादी का सामान सबसे पहले गुजरात पहुंचता था।इस नेटवर्क में अंतरराष्ट्रीय से लेकर स्थानीय तस्कर शामिल हैं। दुबई से सरगना वीरेंद्र बसोया उर्फ वीरू के निर्देश पर यूके का तस्कर सतविंदर इसे समुद्री मार्ग के जरिए गुजरात तक पहुंचाता था, जहां फार्मास्यूटिकल कंपनी में कच्चे माल को रिफाइन कर इसे तस्करी के ट्रांजिट प्वाइंट के रूप में इस्तेमाल की जा रही दिल्ली भेजा जाता था। इसके बाद अन्य प्रदेशों में इसकी सप्लाई होती थी। कोकीन की खेप गुजरात पहुंचाने वाले कई फरार पूछताछ में आरोपियों ने यह भी खुलासा किया है कि अबतक बरामद करीब 1,300 किलो कोकीन की खेप दक्षिण अमेरिकी देशों से तस्करों द्वारा गुजरात की ड्रग्स कंपनी तक पहुंचाई गई थी। हालांकि, गिरोह का पर्दाफाश होते ही नेटवर्क से जुड़े कई बड़े खिलाड़ी खासतौर से यूके नागरिक और उसके नेटवर्क से जुड़े तस्कर भूमिगत हो गए हैं।

जम्मू-कश्मीर में बिना राज्य के दर्जे के सरकार गठन अधूरा : राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में नई सरकार का गठन हो गया है। उमर अब्दुल्ला ने सीएम पद पर विरामान हो गए हैं। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी समेत कई बड़े नेता उनके शपथ ग्रहण समारोह में मौजूद थे। कांग्रेस सरकार में शामिल नहीं हुई है। कांग्रेस का कहना है कि जब तक जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं मिल जाता, तब तक वह सरकार में शामिल नहीं होगी।

जम्मू-कश्मीर में उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में 2019 में धारा 370 हटाए जाने के बाद पहली निर्वाचित सरकार है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने उमर अब्दुल्ला को सीएम बनने पर बधाई दी। राहुल गांधी ने कहा कि बिना राज्य के दर्जे के सरकार गठन अधूरा लगता है। उन्होंने दोहराया कि जम्मू-कश्मीर के लोगों से लोकतंत्र छीन लिया गया था। उन्होंने वादा किया कि जब तक जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं मिल जाता, तब तक वह लड़ते रहेंगे। राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में लिखा-आज हम पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल होने तक अपनी लड़ाई जारी रखने का संकल्प दोहराते हैं।

उमर अब्दुल्ला ने राहुल गांधी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी के साथ राहुल गांधी की मौजूदगी से उन्हें और उनके परिवार को बहुत प्रोत्साहन मिला। उमर अब्दुल्ला ने एक्स पर लिखा-जम्मू-कश्मीर के लोग आपकी ओर देख रहे हैं। हमें अपना राज्य का दर्जा वापस पाने के लिए आपके समर्थन की जरूरत है। प्रियंका गांधी के साथ आपकी उपस्थिति ने हमें बहुत प्रोत्साहन दिया और परिवार को वास्तव में आप दोनों के साथ कुछ समय बिताकर खुशी हुई। कांग्रेस के जम्मू-कश्मीर अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा ने कहा कि कांग्रेस इस बात से नाखुश है कि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं दिया गया है। हम नाखुश हैं, इसलिए हम फिलहाल सरकार में शामिल नहीं हो रहे हैं।

प्रियंका गांधी ने भी एक्स पर उमर अब्दुल्ला और उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों को बधाई दी। उन्होंने एक्स पर लिखा-जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उनके मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों को बहुत-बहुत बधाई। जम्मू-कश्मीर की जनता को आपके वोट की ताकत से न्याय और लोकतंत्र की आवाज बुलंद करने के लिए धन्यवाद। भविष्य के लिए शुभकामनाएं। उन्होंने आगे लिखा, इंडिया गठबंधन सरकार लोगों के लंबित अधिकारों को बहाल करने के साथ-साथ अपने सभी वादों और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए पूरी लगन से काम करेगी।

भारत माता की जय और राष्ट्रीय ध्वज को 21 बार सलामी देने की अनोखी सजा

भोपाल । मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने पाकिस्तान समर्थक नारे लगाने के आरोपी एक व्यक्ति को जमानत दे दी है। लेकिन जमानत के साथ आरोपी को भोपाल के एक पुलिस स्टेशन में राष्ट्रीय ध्वज को 21 बार सलामी देने और महीने के अंत तक महीने में दो बार भारत माता की जय का नारा लगाने का निर्देश दिया है।

आरोपी की पहचान फैजल उर्फ फैजान के रूप में हुई है, इस मई में मिसरोद पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज होने के बाद गिरफ्तार किया गया था। अभियोजन पक्ष ने तर्क दिया कि फैजान के कार्यों ने कलह को बढ़ावा दिया और देश की अखंडता को कमजोर किया। अदालत के फैसले में न्यायमूर्ति पालीवाल ने कहा कि फैज़ान को 50,000 रुपये के निजी बांड और इतनी ही राशि की एक सॉल्वेंट ज़मानत जमा करने पर रिहा किया जा सकता है। इसके अलावा, अदालत ने जमानत के हिस्से के रूप में कई अनूठी शर्तें लगाईं। फैजान को मुकदमा खत्म होने तक हर महीने के पहले और चौथे मंगलवार को मिसरोद पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट करना होगा। इस दौरान पुलिस स्टेशन पर फहराए गए राष्ट्रीय ध्वज को 21 बार सलामी देनी होती है और दो बार भारत माता की जय का नारा लगाना होता है। अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि ये स्थितियाँ उनमें उस देश के लिए गौरव की भावना पैदा करने के लिए बनाई गई थीं जिसमें उनका जन्म और पालन-पोषण हुआ था।

चीन सीमा के पास गाँव में फंसे मुख्य चुनाव आयुक्त, पूरी रात अंधेरे में बिताई

-16 घंटे बाद रेस्क्यू कर हेलीकॉप्टर से सुरक्षित मुनस्यारी पहुंचाया

देहरादून (एजेंसी)। भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार उत्तराखंड के पिथौरागढ़ ज़िले में खराब मौसम के चलते चीन सीमा के पास एक सुदूर गाँव रालम में फंस गए थे। करीब 16 घंटे बाद गुरुवार सुबह उन्हें हेलीकॉप्टर से सुरक्षित मुनस्यारी पहुँचाया गया। राजीव कुमार मिलम जा रहे थे, तभी खराब मौसम के कारण उनके हेलीकॉप्टर को रालम गाँव में उतरना पड़ा। यह घटना बुधवार को हुई। उनके साथ उत्तराखंड के अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी विजय कुमार जोगदंडे और सीईसी के पीएसओ नवीन कुमार भी थे। रात उन्हें ग्रामीणों की मदद से एक घर मिला और उन्होंने पूरी रात अंधेरे में आग के सामने हाथ तापते हुए बिताई।

रालम गाँव में बिजली और फ़ोन जैसी बुनियादी सुविधाएँ नहीं हैं। ग्रामीणों ने बताया कि बारिश के कारण तापमान 5 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाता है। राजीव कुमार और उनकी टीम इस ठंड और असुविधा का सामना करना पड़ा। गुरुवार सुबह मौसम साफ होने पर उन्हें और उनकी टीम को हेलीकॉप्टर से मुनस्यारी लाया गया। मुनस्यारी हेलीपैड पर पिथौरागढ़ के प्रशासनिक अधिकारी, आईटीबीपी और बीआरओ के अधिकारी और कर्मचारी उनकी अगवानी के लिए मौजूद थे। यह घटना पहाड़ी क्षेत्रों में मौसम की अनिश्चितता को दर्शाती है। राहत की बात यह है कि सीईसी और उनकी टीम सुरक्षित हैं।

चीन के कब्जे वाले तिब्बत की सीमा से लगे पिथौरागढ़ जिले के इस सुदूर इलाके में देश के आजाद होने के बाद भी माइग्रेशन होता है। रालम में रहने वाले लोगों को बिजली संकट से जूझना पड़ता है। शासन-प्रशासन रालम गांव को आज भी बिजली सेवा से नहीं जोड़ सका है लेकिन हेलीकॉप्टर की आपात लैंडिग के बाद मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य लोगों को भी इस समस्या से जूझना पड़ा। मदद पहुंचने में होने वाली देरी से रालम में फंसे मुख्य चुनाव आयुक्त और उनकी टीम के लिए गांव में रात गुजरना ही आखिरी विकल्प था। गांव में एक घर खुलवाया गया। चीन सीमा के नजदीक बसे इस गांव में हर साल अप्रैल से अक्टूबर प्रथम सप्ताह तक तीन हजार से ज्यादा लोग माइग्रेट होकर पहुंचते हैं। करीब साढ़े चार माह तक ग्रामीण रालम में ही रहते हैं।

तेजस्वी का आरोप, बिहार में कहें कि शराबबंदी... लेकिन हर चौक-चौराहों पर उपलब्ध

-नीतिश को कुछ खिलाया जा रहा, वे बिहार चलाने लायक नहीं रह गए

पटना (एजेंसी)। जहरीली शराब के सेवन से सीवान में 20 और छपरा में 4 लोगों की दुखद मौत के बाद बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमला कर कहा कि मुख्यमंत्री और उनका किचन कैबिनेट अनैतिक और सिद्धांतहीन राजनीति के प्रणेता बने हैं। तेजस्वी ने लिखा कि सत्ता संरक्षण में जहरीली शराब के कारण 27 लोगों की हत्या की गई है। दर्जनों की आँखों की रोशनी चली गई। बिहार में कथित शराबबंदी है, लेकिन सत्ताधारी नेताओं-पुलिस और माफिया के गठजोड़ के कारण हर चौक-चौराहों पर शराब उपलब्ध है।

राजद नेता ने कहा कि इतने लोग मारे गए लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश ने शोक-संवेदना तक व्यक्त नहीं की। जहरीली शराब से, अपराध से प्रतिदिन सैकड़ों बिहारवासी मारे जाते है लेकिन मुख्यमंत्री और उनकी किचन कैबिनेट के लिए यह सामान्य बात है। उन्होंने कहा कि कितने भी लोग मारे जाए लेकिन मजाल है किसी वरीय अधिकारी पर कोई कारवाई हो? इसके विपरीत उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा?

तेजस्वी ने कहा कि अगर शराबबंदी के बावजूद बिहार के हर चौक-चौराहे व नुक्कड़ पर शराब उपलब्ध है, तब क्या यह गृह विभाग और मुख्यमंत्री की विफलता नहीं है? क्या मुख्यमंत्री जी होशमंद है? इन हत्याओं का दोषी कौन? उन्होंने कहा कि समीक्षा बैठक के नाम पर ढोंग होता है। नीतीश को लेकर तेजस्वी ने बड़ा दावा किया कि उन्हें कुछ खिलाया-पिलाया जा रहा है। अब वह बिहार चलाने लायक नहीं रह गए।

गुरुवार को नीतीश ने सीवान और सारण जिले में हुए जहरीली शराब कांड की उच्चस्तरीय समीक्षा की। समीक्षा के बाद सीएम ने मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग के सचिव को मौके पर जाकर पूरी स्थिति की जानकारी लेने और सभी बिंदुओं पर गहन जांच करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही उन्होंने इसमें शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया।

यह सिर्फ भाजपा-आरएसएस का प्रचार, सुप्रीम कोर्ट में न्याय की देवी की आंखों से काली पट्टी उतरी ,संजय राउत ने जताया ऐतराज

मुंबई (एजेंसी)। औपनिवेशिक विरासत को त्यागने और अधिक समकालीन न्याय को अपनाने और न्याय के भारतीयकरण को देखने के प्रयास में भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने अपने पुस्तकालय के लिए लेडी जस्टिस की एक पुनः डिज़ाइन की गई प्रतिमा का अनावरण किया। प्रतिमा में लेडी जस्टिस की तलवार को संविधान के साथ प्रतिस्थापित किया गया है, उनकी आंखों से पट्टी हटा दी गई है और वह एक साड़ी में हैं। हालाँकि, शिव सेना (यूबीटी) नेता संजय राउत नई प्रतिमा को लेकर आक्रामक रुख अपनाए हुए हैं। परिवर्तन की निंदा करते हुएराउत ने इसे भाजपा-आरएसएस का प्रचार करार दिया है।

इस प्रतिमा का अनावरण 2023 में सीजेआई चंद्रचूड़ ने किया था, जिसके बाद से ही ये तस्वीर वायरल हो गई। आंखों पर पट्टी बांधने का मतलब कानून के समक्ष समानता का प्रतिनिधित्व करना था, जिसका अर्थ था कि अदालतें अपने सामने आने वाले लोगों की संपत्ति, शक्ति या स्थिति के अन्य मार्करों को नहीं देख सकती हैं, जबकि तलवार अधिकार और अन्याय को दंडित करने की शक्ति का प्रतीक है। सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की लाइब्रेरी में मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के आदेश पर स्थापित की गई नई प्रतिमा में आंखें खुली हैं और बाएं हाथ में तलवार की जगह संविधान है।

नई प्रतिमा के पीछे स्पष्ट और प्रगतिशील इरादे के बावजूद, शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने इस बदलाव पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन भाजपा और आरएसएस का एक प्रचार और एक अभियान है। फिर उन्होंने सुप्रीम कोर्ट पर निशाना साधते हुए पूछा कि न्याय की मूर्ति के हाथ में तलवार की जगह संविधान देकर वे क्या साबित करना चाह रहे हैं? वे पहले से ही संविधान की

हत्या कर रहे हैं और प्रतिमा से आंखों की पट्टी हटाकर वे चाहते हैं कि हर कोई भ्रष्टाचार और संविधान की हत्या को खुलेआम देखे।

मेरे परिवार को न्याय चाहिए ! बाबा सिद्दीकी की हत्या पर बेटे जीशान ने की मांग

मुंबई (एजेंसी)। विधायक जीशान सिद्दीकी ने अपने पिता बाबा सिद्दीकी की हत्या के लिए न्याय की मांग की है, उनका कहना है कि मेरे पिता ने गरीब निर्दोष लोगों के जीवन और घरों की रक्षा करते हुए अपनी जान गंवा दी। आज, मेरा परिवार टूट गया है लेकिन उनकी मौत का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए और निश्चित रूप से मुझे न्याय चाहिए, मेरे परिवार को न्याय चाहिए! एनसीपी अजित पवार गुट के नेता बाबा सिद्दकी की 12 अक्टूबर की रात गोली मारकर हत्या कर दी गई। पकड़े गए आरोपियों ने पूछताछ में बताया है कि उन्हें निर्देश मिले थे कि बाबा सिद्दीकी ही नहीं उनके बेटे जिशान भी उनके निशाने पर थे। खबर के अनुसार शूटर्स को निर्देश मिले हुए थे कि जो भी मिले उसे मार डालो। पूछताछ में आरोपियों ने अपने प्लान के बारे में भी बताया है।

खबरों के अनुसार आरोपियों ने पहले बाबा सिद्दीकी और फिर उनके बेटे की आंखों पर काली मिर्च वाला स्प्रे मारना चाहते थे उनका सोचना था कि ऐसे सिद्दीकी परिवार के लोगों को दिखना बंद हो जाएगा। लेकिन ये प्लान पूरा नहीं हो पाया क्योंकि इस केस के आरोपी शिव कुमार गौतम ने सारे प्लान छोड़ते हुए फायर प्लान खोल दिया। जिससे अन्य आरोपियों को भी पहले ही फायर करना पड़ा। बाबा सिद्दीकी के साथ एक और व्यक्ति को गोली लगी थी। जिस समय गोली जीशान सिद्दीकीचली वो मौका-ए-वारदात से गुजर रहा था। उसी समय व्यक्ति को गोली लग गई। उसे उपचार के लिए भाभा अस्पताल भर्ती कराया गया।

सूत्रों ने बताया कि जीशान खाना खाने के लिए पहले ही निकल चुके थे। सूत्रों ने बताया कि अगर जीशान सिद्दीकी खाने के लिए निकले नहीं होते, तो उनकी भी हत्या हो सकती थी। जीशान बांद्रा से ही कांग्रेस विधायक हैं। उनके विधानसभा क्षेत्र में स्क्र री-डेवलपमेंट को लेकर विवाद चल रहा था।

सीबीआई, ईडी और आयकर को निषपक्ष होकर काम करना चाहिए

-मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का केंद्र पर हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सीबीआई, ईडी और आयकर विभाग जैसी जांच एजेंसियों के बहाने केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधा है। सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि सीबीआई, ईडी और आयकर जैसी केंद्रीय एजेंसियों को निष्पक्ष होकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राज्य में तीन विधानसभा क्षेत्रों में 13 नवंबर को होने वाले उपचुनाव में जीतने को तैयार है।

सिद्धारमैया ने कहा कि प्रदेश में नवंबर में होने वाले उपचुनाव का कांग्रेस पार्टी प्रभावी ढंग से मुकाबला करेगी और सभी तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र के अधीन आने वाले सीबीआई, ईडी और आईटी सहित सभी संगठनों को निष्पक्ष रूप से काम करना चाहिए और किसी राजनीतिक दल के पक्ष में काम नहीं करना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि नागेंद्र (पूर्व मंत्री बी नागेंद्र) ने कहा है कि उन पर ईडी ने दबाव डाला था। उन्होंने बताया कि उन पर मेरा और डी के शिवकुमार (उपमुख्यमंत्री) का नाम लेने का दबाव डाला गया था।

पूर्व कैबिनेट मंत्री बी नागेंद्र ने जेल से बाहर आने पर आरोप लगाया कि कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि एसटी विकास निगम (केएमवीएसटीडीसी) में करोड़ों रूपये के कथित घोटाले में मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उप मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार का नाम लेने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उन पर दबाव डाला था।

मैरिटल रेप मामले की सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई: एनल सेक्स रेप नहीं... हम इसी को चुनौती दे रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट मैरिटल रेप को अपराध घोषित करने से जुड़ी याचिकाओं पर गुरुवार को सुनवाई की है। याचिकाओं में कहा गया है कि क्या किसी व्यक्ति को अपनी पत्नी को संबंध बनाने के लिए मजबूर करने के लिए कानूनी संरक्षण मिलना चाहिए। मामले की सुनवाई सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच कर रही है। सीजेआई ने सुनवाई करते हुए कहा, अपवाद 2 कहता है कि पत्नी के साथ एनल सेक्स रेप नहीं है। इस पर याचिकाकर्ता के वकील ने कहा, हम इसी को चुनौती दे रहे हैं।

सुनवाई के दौरान सीजेआई ने कहा कि, जब पत्नी 18 साल से कम की होती है, तब यह रेप है और जब यह 18 साल से अधिक की होती है, तब यह नहीं है। यही बीएनएस और आईपीसी में अंतर है। इस पर वकील नंदी ने कहा, यदि पति एनल सेक्स करता है, तब पत्नी को अपवाद 2 के तहत छूट दी जाती है, जबकि यह यौन क्रिया नहीं है। इस पर जबाव देकर सीजेआई ने कहा कि कानून कहता है कि चाहे वजाइनल सेक्स हो या एनल सेक्स। जब तक यह विवाह के भीतर किया जाता है, तब तक यह बलात्कार नहीं होगा। वकील नंदी की जिहर, धारा 63 ए यह भी कहती है कि यदि कोई पुरुष किसी अन्य पुरुष का लिंग किसी महिला की योनि, मुंह आदि में इंसर्ट कराता है तब वह भी बलात्कार होगा। इस पर सीजेआई, लेकिन यह अपवाद के अंतर्गत नहीं आएगा। सुनवाई में हिस्से लेते हुए जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि यौन क्रिया शब्द को सही तरीके से परिभाषित नहीं किया गया है? मान लीजिए कि कोई पति पत्नी को किसी अन्य पुरुष के साथ संबंध बनाने के लिए मजबूर करता है तब क्या वह अपवाद 2 के अंतर्गत आएगा? नहीं, वह नहीं आएगा। वकील नंदी अपनी बात रखते हुए, वह आएगा। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नहीं, यह गलत व्याख्या है। वकील नंदी ने कहा कि यदि किसी महिला के साथ पति, अजनबी या तलाकशुदा पति द्वारा जबरन संबंध बनाया जाता है, तब यह रेप ही है। अगर लिव इन रिलेशनशिप में रह रही महिला के साथ बिना सहमति सेक्स किया जाता है तब यह भी रेप है, लेकिन अगर किसी विवाहित महिला के साथ ऐसा होता है तब यह रेप क्यों नहीं? इस दलील पर सीजेआई ने कहा कि केंद्र सरकार ने अपने जवाब में कहा कि, पति-पत्नी के बीच बिना इजाजत के संबंध बनाने को अपराध घोषित करने विवाह संस्था अस्थिर होगी। इस पर आपका क्या कहना है? इस पर वकील नंदी ने बताया कि एक पुराने केस (केएस पुट्टुस्वामी मामले) में यह माना गया कि निजता की आड़ में महिलाओं के अधिकारों का हनन या लिंग आधारित हिंसा नहीं की जा सकती।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

SMC की स्ट्रीट लाइटों से तारों की चोरी के सबूतों के बावजूद

पुलिस द्वारा शिकायत दर्ज न करने पर मुख्यमंत्री से शिकायत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत महानगर पालिका की स्ट्रीट लाइटों से तारों की चोरी के सबूतों के बावजूद पुलिस द्वारा शिकायत दर्ज न करने पर मुख्यमंत्री से शिकायत की गई है। सूरत महानगर पालिका की स्ट्रीट लाइटों से असामाजिक तत्व तांबे के वायरों को जंक्शन बॉक्स से तोड़कर चुरा रहे हैं, जो कि एक गंभीर समस्या बन चुकी है। शहर के कई इलाकों में नशेड़ी और असामाजिक तत्व वायरों की चोरी कर रहे हैं। इसके वीडियो और फोटो सबूत ठेकेदारों द्वारा पुलिस और पालिका को दिए गए हैं। लाखों रुपये के तांबे के तारों की चोरी के सबूत बार-बार देने के बावजूद भी पालिका और पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही, जिसके चलते अंततः मुख्यमंत्री से शिकायत की गई है।

गृह राज्य मंत्री सूरत से ही हैं, इसके बावजूद पुलिस द्वारा कोई कदम न उठाए जाने से यह मामला चर्चा का विषय बन गया है।

गृह राज्य मंत्री सूरत से ही हैं, इसके बावजूद पुलिस द्वारा कोई कदम न उठाए जाने से यह मामला चर्चा का विषय बन गया है। पालिका द्वारा लोगों की सुविधा के लिए स्ट्रीट लाइट के ठेके दिए गए हैं, लेकिन अधिकतर इलाकों में वायर चोरी का मामला बढ़ता जा रहा है। पांडेसरा जीआईडीसी इलाके में तांबे के वायरों की चोरी हुई थी, और इस संबंध में पुलिस को वीडियो फुटेज के साथ सबूत भी दिए गए थे। ठेकेदार ने मुख्यमंत्री को सबूतों के साथ एक पत्र लिखा है, जिसमें यह बताया गया है कि स्ट्रीट लाइट की वायर चोरी की घटनाओं के बावजूद पुलिस और पालिका कोई कार्रवाई नहीं कर रही है, जिससे आम जनता को रात्रि में स्ट्रीट लाइट की सुविधा से वंचित रहना पड़ रहा है।

सूरत के डिंडोली इलाके में पति ने पत्नी की हत्या कर आत्महत्या कर ली।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

प्रयोशा ब्लिच नामक बिल्डिंग के फ्लैट नंबर-१०१ में रहने वाले पति रतनभाई निमजे (उम्र ५३) ने घर में ही अपनी पत्नी नंदाबेन निमजे (उम्र ४८) को चाकू से वार करके मार डाला। इसके बाद रतनभाई ने खुद भी पंखे से लटककर अपनी जान दे दी।

घटना की जानकारी मिलने पर डिंडोली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर घर में प्रवेश किया, जहां महिला एक कोने में खून से लथपथ हालत में पड़ी थी, जबकि पति पंखे से लटका हुआ मिला। डिंडोली पुलिस इंस्पेक्टर आर.जे. चूडासमा ने बताया कि घटना दोपहर के आसपास की है। रतनभाई ने पत्नी के पेट में चाकू मारकर हत्या की और फिर खुदकुशी कर ली। दंपति के दो बच्चे, एक बेटा और एक बेटी, घर से बाहर थे। रतनभाई घर में ही रहते थे, और पति-पत्नी के बीच अक्सर झगड़े होते थे, जिससे यह घटना हुई हो ऐसा लग रहा है।

निमजे दंपति के बेटे ने अपनी मां से फोन पर संपर्क न हो पाने पर पड़ोसी को सूचना दी। पड़ोसी ने दरवाजा खटखटाया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। फिर एक व्यक्ति ने बगल के घर से अंदर झांककर देखा तो महिला खून से लथपथ पड़ी थी और पति पंखे से लटक रहा था। यह देखकर पड़ोसी हैरान रह गए और तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंचे और दरवाजा तोड़कर घर के अंदर गए। फिलहाल डिंडोली पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राजनीतिक नेताओं के साथ अच्छे संबंध रखने वाले

नाबालिग लड़की को अश्लील संदेश भेंजने पर प्रितेश उर्फ पप्पू धनसुख शाह को पुलिस ने गिरफ्तार कर

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज

नाबालिगों के साथ होने वाले यौन अपराधों से उन्हें सुरक्षा प्रदान करने के लिए पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। इसके साथ ही, आरोपी पर छेड़छाड़ के अन्य संबंधित धाराओं के तहत भी आरोप लगाए गए हैं। पुलिस ने यह सुनिश्चित किया कि नाबालिग को न्याय मिले और आरोपी को कानून के अनुसार सजा दी जाए

सूरत जिले के मांडवी नगर में रहने वाले प्रितेश उर्फ पप्पू धनसुख शाह, जो एक बच्चे के पिता हैं और राजनीतिक नेताओं के साथ अच्छे संबंध रखते हैं, को १४ साल की एक किशोरी का यौन उत्पीड़न करने और उससे अश्लील मांगें करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। प्रितेश शाह ने मोबाइल फोन पर किशोरी को अश्लील संदेश भेजे थे। जब किशोरी की मां ने यह संदेश देखे, तो उन्होंने इस बारे में अपने पति को बताया। इसके बाद परिवार ने किशोरी के साथ मांडवी पुलिस स्टेशन जाकर शिकायत दर्ज कराई।

नाबालिग लड़की को अश्लील संदेश भेजने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ पुलिस ने पॉक्सो एक्ट (POCSO Act) और छेड़छाड़ की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। इस घटना के बाद पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में लिया और कानूनी प्रक्रिया शुरूकर दी है।

पुलिस निरीक्षक जे.जी. मोड ने प्रितेश उर्फ पप्पू शाह के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत यौन उत्पीड़न और छेड़छाड़ का मामला दर्ज किया। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए प्रितेश शाह को गिरफ्तार कर लिया है। हिंदुत्व संगठनों के झंडे तले सक्रिय रहने वाले प्रितेश शाह के इस कृत्य को लेकर समाज में काफी आक्रोश है।

गुजरात में शराब बंधी का खुल्लेआम प्रदर्शन

राजमहल रोड पर एक युवक शराब की बोतल की वेशभूषा में गरबा करता हुआ

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

राजमहल रोड स्थित पुरानी काछिया पोल में श्री कोठी फड़िया युवक मंडल द्वारा शरद पूर्णिमा उत्सव के उपलक्ष्य में विभिन्न वेशभूषाओं के साथ गरबा का आयोजन किया गया था। इस आयोजन में एक युवक विदेशी शराब की बोतल की वेशभूषा धारण कर गरबा करता हुआ नजर आया, जिससे विवाद पैदा हो गया है। माता जी के गरबे में शराब की बोतल की वेशभूषा में गरबा खेलने को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। इस घटना के बाद पुलिस ने भी इस युवक की खोज शुरूकर दी है।

इस वर्ष कोठी फड़िया में गरबे में वेशभूषा का आयोजन किया गया था, जिसमें भजन मंडली, पदयात्री संघ, भगवान राम-सीता, शिवजी, राधा-कृष्ण, सैनिक, महाकाल बाबा, डॉक्टर नवजात शिशु के साथ आदि वेश लोग धारण किए हुए थे। उसी दौरान एक युवक शराब की बोतल की वेशभूषा पहनकर गरबा खेल रहा था। युवक मंडल के सदस्यों ने बताया कि यह आयोजन वर्षों से होता आ रहा है, जिसमें मनोरंजन के साथ लोग रास-गरबा खेलते हैं। इस गरबा के लिए वे दो महीनों से तैयारी कर रहे थे।

दुष्कर्मी नारायण साई को मेडिकल चेकअप के लिए सिविल अस्पताल, कई बीमारियों से ग्रसित

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत की लाजपुर जेल में बंद दुष्कर्मी नारायण साईं को मेडिकल चेकअप के लिए सिविल अस्पताल लाया गया। नारायण साईं के दांतों में लगातार दर्द की शिकायत होती रहती है, जिसके चलते आज उन्हें दांतों का इलाज कराने के लिए पुलिस सुरक्षा के बीच सूरत सिविल अस्पताल ले जाया गया। उल्लेखनीय है कि महलों में रहने वाले नारायण साईं पिछले ११ साल से जेल में बंद हैं और कई बीमारियों से ग्रसित हो गए हैं।

सूरत सिविल अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार, लाजपुर सेंट्रल जेल में बंद नारायण साईं को दांतों के इलाज के लिए सिविल अस्पताल के दंत विभाग में लाया गया था। उन्हें जेल के कपड़े पहनाने के बजाय सादे कपड़ों में लाया गया और उनके हाथों में हथकड़ी भी नहीं थी। हालांकि, अस्पताल में कड़ी पुलिस सुरक्षा तैनात की गई थी। नारायण साईं को सुरक्षा के साथ अस्पताल लाया गया और इलाज के बाद वापस जेल ले जाया गया।

नारायण साईं, जो पहले लक्जरी जीवन जीते थे, अब जेल में बीमारियों से पीड़ित हैं। उन्हें कमर और हड्डियों से जुड़ी समस्याएं हैं, साथ ही दांतों और जबड़े से संबंधित रोगों की भी शिकायत है, जिसके कारण उन्हें अक्सर सिविल अस्पताल में इलाज के लिए लाया जाता है। आसाराम के पुत्र नारायण साईं के खिलाफ २०१३ में सूरत की एक महिला ने जहांगीरपुरा पुलिस थाने में दुष्कर्म की शिकायत दर्ज कराई थी। २०१४ में उनके खिलाफ सूरत सेशन कोर्ट में केस दर्ज हुआ और २०१९ में अदालत ने नारायण साईं को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। नारायण साईं पिछले ११ वर्षों से लाजपुर जेल में अपनी सजा काट रहे हैं।

नारायण साईं के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (IPC) की धारा ३७६(२)(C), ३७७, ३५४, ३५७, ३४२, ३२३, ५०४, ५०६(२), १२०B, २१२, १५३, और ११४ के तहत अपराध दर्ज किए गए थे।

ऑनलाइन गोल्ड ट्रेडिंग के नाम पर हो रहे साइबर फ्रॉड

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

ऑनलाइन गोल्ड ट्रेडिंग के नाम पर हो रहे साइबर फ्रॉड में बेरोजगार, ऑनलाइन व्यापारी और दवा सप्लायर मिलकर लोगों को लुभावने लालच देकर ठगी कर रहे हैं। इस धोखाधड़ी में ठग सोशल मीडिया या मैसेजिंग प्लेटफार्म का इस्तेमाल करके लोगों से संपर्क करते हैं। वे उन्हें निवेश पर उच्च रिटर्न का वादा करते हैं, जिससे लोग धोखे में आकर अपनी जमा पूंजी या धनराशि निवेश कर देते हैं। यह एक बहुत ही आम और खतरनाक साइबर अपराध बन गया है, जिसमें लोग लालच में आकर अपनी मेहनत की कमाई गंवा बैठते हैं।

इस तरह के फ्रॉड से बचने के लिए जरूरी है कि कोई भी निवेश करने से पहले उसकी सच्चाई की जांच करें और अधिक जानकारी हासिल करें।

सूरत में गोल्ड ट्रेडिंग में निवेश के नाम पर ५०,७९,२०० रुपये की धोखाधड़ी करने वाले तीन आरोपियों को सूरत साइबर सेल ने गिरफ्तार किया है। बेरोजगार, ऑनलाइन व्यापारी और दवा सप्लायर मिलकर लोगों को लुभावने वादों के जरिए गोल्ड ट्रेडिंग में निवेश करने के लिए प्रेरित कर रहे थे, और फिर लाखों रुपये की ठगी कर रहे थे।

२० जून, २०२४ को, आरोपियों ने पहले से योजना बनाकर शिकायतकर्ता को गोल्ड ट्रेडिंग में निवेश करने से अच्छा मुनाफा मिलेगा, ऐसा लालच देकर व्हाट्सएप पर https://m.eggewok.com की लिंक भेजी। शिकायतकर्ता ने इस वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन किया और ष्टत्तत्ष्ट नाम की ऐप्लिकेशन डाउनलोड कराई। दित्या शर्मा के निर्देशानुसार, इस ऐप्लिकेशन से गोल्ड ट्रेडिंग शुरूकी गई और शिकायतकर्ता को मुनाफा होता हुआ दिखाया गया। कुल ६२,४०,००० रुपये अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर किए गए।

शुरुआत में CGGC ऐप्लिकेशन से ११,६०,८०० रुपये निकाले गए और शिकायतकर्ता के खाते में जमा हो गए। इसके बाद, आरोपियों ने अधिक पैसे निवेश करने और ३०त्न टैक्स भरने का झांसा देकर शिकायतकर्ता से ५०,७९,२०० रुपये की धोखाधड़ी की।